हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 13 अंक : 77 | देहरादून, बुधवार, 11 सितंबर, 2024 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 8

उत्तराखंड : प्रदेशभर में बच्चों को खिलाई गई कृमि नाशक दवाई 8

मुख्यमंत्री धामी ने किया न्यायिक परिसर (पुरानी जेल) में बार एसोसिएशन के नवीन भवन का शिलान्यास और भूमि पूजन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून । मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को न्यायिक परिसर (पुरानी जेल) देहरादून में बार एसोसिएशन देहरादून के नवीन भवन का शिलान्यास और भूमि पूजन किया। मुख्यमंत्री ने सभी अधिवक्तागणों को नए चैम्बर भवन के शिलान्यास की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज का दिन बहुत ऐतिहासिक है। उन्होंने कहा कि आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में उत्तराखंड सहित पूरे देश में न्यायिक इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़े कार्य को मजबूत करने का काम अनवरत रूप से किया जा रहा है।

पिछले दस वर्षों में मोदी सरकार ने न्यायिक इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए 8000 करोड़ से ज्यादा की धनराशि खर्च की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार ने अंग्रेजों के जमाने के तमाम कानूनों को हटाकर आज की नई आवश्यकता के अनुसार नए कानूनों को लागू किया है। इन कानूनों के लागू होने के बाद न्याय की अवधारणा को और भी अधिक मजबूती मिलेगी।

उन्होंने कहा कि नए कानूनों के तहत इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल रिकॉर्ड को भी मजबूत सबूत के रूप में मान्यता मिली है, जो कि आज की डिजिटल क्रांति के समय में अहम है। इससे सभी अधिवक्ताओं को अपना पक्ष कोर्ट में आसानी से रखने में सहायता मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसी प्रकार राज्य के अंदर प्रदेश में जितने भी न्याय से जुड़े इंफ्रास्ट्रक्चर हैं उन्हें मजबूत करने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देहरादून बार एसोसिएशन के चैम्बर भवन की मांग भी काफी लंबे समय से चल रही थी, इसके संबंध में बार एसोसिएशन के साथ अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद के पदाधिकारियों ने भेंट कर नए भवन हेतु जमीन की मांग की थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां पर कुल साढ़े पांच हजार से ज्यादा लोग कार्यरत हैं। इसलिए सभी की समस्याओं को समझते हुए पांच बीघा जमीन बार एसोसिएशन देहरादून को देने का निर्णय लिया था। उन्होंने कहा कि मुझे खुशी है कि इस जमीन पर 1500 चैम्बर, एक ऑडिटोरियम, लाइब्रेरी, कैंटीन, पार्किंग से भरपूर नौ मंजिला भवन का निर्माण करवाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि इस भवन निर्माण के लिए हर संभव सहयोग दिया जायेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने नकल विरोधी कानून के अलावा धर्मांतरण कानून, दंगा रोधी आदि कानूनों को लागू किया है। इनके लागू हो जाने से आज देश भर में उत्तराखंड की पहचान एक अनुशासित और अपराध के प्रति जीरो टॉलरेंस रखने वाले राज्य के रूप में हुई है। उन्होंने कहा कि राज्य में 09 नवम्बर 2024 से पहले समान नागरिक संहिता लागू की जायेगी। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री प्रेमचन्द अग्रवाल, विधायक खजान दास, विनोद चमोली, उमेश शर्मा काऊ, सविता कपूर, जिला जज प्रेम सिंह खिमाल, बार एसोसिएशन देहरादून के अध्यक्ष राजीव शर्मा, सचिव राजवीर सिंह बिष्ट और अधिवक्तागण उपस्थित थे।

सीएम ने दी भारत रत्न पं.गोविन्द बल्लभ पंत की जयंती पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को मुख्यमंत्री आवास में भारत रत्न पं.गोविन्द बल्लभ पंत की जयंती के अवसर पर उनके चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि पं. गोविन्द बल्लभ पंत महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, देशभक्त, समाजसेवी तथा कुशल प्रशासक थे। उन्होंने हिन्दी को राजभाषा के रूप में प्रतिष्ठित कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उत्तर प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री एवं देश के गृहमंत्री रहते उन्होंने आधुनिक भारत के निर्माण में अहम योगदान दिया ।

सम्पर्क फाउंडेशन के संस्थापक चेयरमैन विनीत नायर ने की मुख्यमंत्री धामी से भेंट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून । मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मंगलवार को मुख्यमंत्री आवास में सम्पर्क फाउंडेशन के संस्थापक चेयरमैन विनीत नायर ने भेंट की। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड में शिक्षा में सुधार के लिए 4,337 सरकारी स्कूलों में सम्पर्क टीवी स्मार्ट स्कूल कार्यक्रम के विस्तार किया जायेगा। इससे प्रदेश के लगभग ढाई लाख बच्चों को सीधा लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने सम्पर्क फाउंडेशन के संस्थापक चेयरमैन विनीत नायर का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह एक सराहनीय पहल है। सरकार द्वारा शिक्षा में आधुनिक तकनीक के प्रयोग पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सम्पर्क फाउंडेशन द्वारा सरकारी स्कूलों में बच्चों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर आधारित कोर्स पर शैक्षिक वीडियो के माध्यम से शानदार सामग्री तय की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में शिक्षा में गुणात्मक सुधार के लिए लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। सम्पर्क फाउंडेशन के संस्थापक चेयरमैन विनीत नायर ने कहा कि इस कार्यक्रम के तहत स्कूलों को सम्पर्क फाउंडेशन के द्वारा मुफ्त में 43-इंच टीवी सेट और टीवी डिवाइस (एंड्रॉइड सेट-अप बॉक्स और रिमोट प्रदान किया जा रहा है। डिवाइस में 1,000 घंटे की इंटरएक्टिव शैक्षिक सामग्री, 500 पाठ योजनाएँ, खेल आधारित मूल्यांकन और कक्षा 1 से 8 तक के छात्रों के लिए शैक्षिक वीडियो लोड किए गए हैं। यह डिवाइस बिना इंटरनेट के काम करता है और केवल समय-समय पर सामग्री को अपडेट करने के लिए इंटरनेट की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि इससे पहले मई 2023 में चंपावत में शुरू किए गए सम्पर्क टीवी पायलट कार्यक्रम से बेहतर शैक्षणिक परिणाम प्राप्त हुए थे, जिसके आधार पर अब इस कार्यक्रम का विस्तार राज्य के सभी जिलों में किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सम्पर्क फाउंडेशन वर्ष 2014 से उत्तराखंड के शिक्षा विभाग के साथ साझेदारी कर रहा है और इस कार्यक्रम के लिए 75 करोड़ रुपये का निवेश किया है।

इस अवसर पर सचिव शिक्षा रविनाथ रमन, अध्यक्ष सम्पर्क फाउण्डेशन डॉ. राजेश्वर राव उपस्थित थे।

मुख्य सचिव राधा रतूड़ी की अध्यक्षता में देहरादून स्मार्ट सिटी लिमिटेड की हाई पावर्ड स्टीयरिंग कमेटी की बैठक

देहरादून। मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने सचिवालय में आयोजित देहरादून स्मार्ट सिटी लिमिटेड की हाई पावर्ड स्टीयरिंग कमेटी की बैठक की अध्यक्षता के दौरान डीआईसीसीसी प्रोजेक्ट तथा इसके कॉम्पनेन्टस को आईटीडीए को सौंपते हुए इसमें पुलिस विभाग की मॉनिटरिंग भी सुनिश्चित करने के प्रस्ताव पर अनुमोदन दिया। इसके साथ ही मुख्य सचिव ने ब्रिज एण्ड रूफ लिमिटेड तथा डीएससीएल के मध्य विवाद पर निर्णयन हेतु लोक निर्माण विभाग, सिचाई विभाग तथा नियोजन विभाग के अधिकारियों की कमेटी गठित कर 15 दिन में रिपोर्ट देने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही आज की बैठक में डीआईसीसीसी के तहत राजस्व भागीदारी तथा सस्टेनिबिलिटी पॉलिसी तथा उत्तराखण्ड परिवहन निगम को इलेक्ट्रिक बसो को सौंपने के प्रस्ताव पर चर्चा की गई। बैठक में सचिव नितेश झा, विनय शंकर पाण्डेय, बृजेश संत सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

विशेष आलेख : विकिरण प्रौद्योगिकी से भारत की खाद्य सुरक्षा में बदलाव

चिराग पासवान, केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री की कलम से

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 11 सितंबर , भोजन का महत्व बुनियादी जीविका से कहीं बढ़कर है। यह हमारी सांस्कृतिक पहचान और सामाजिक गतिशीलता को प्रतिबिम्बित करते हुए हमारे त्योहारों, सामाजिक समारोहों और अनुष्ठानों में प्रमुख भूमिका निभाता है। आर्थिक रूप से, खाद्य उद्योग विकास को गति देता है, रोजगार के अवसरों का सृजन करता है तथा ग्रामीण एवं कृषि संबंधी विकास को बढ़ावा देता है। यह घरेलू खपत और निर्यात दोनों के माध्यम से राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देता है। अपनी स्वतंत्रता के 78वें वर्ष में भारत जैसे-जैसे विकसित भारत के विजन की ओर बढ़ रहा है, खाद्य सुरक्षा और संरक्षा को आगे बढ़ाना अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसमें उपभोक्ताओं तक पहुंचने वाले भोजन का संदूषित पदार्थों से सुरक्षित होना तथा भोजन की हानि एवं बर्बादी को कम से कम किया जाना सुनिश्चित करना शामिल है, ताकि सभी को पर्याप्त, पौष्टिक भोजन की उपलब्धता की गारंटी मिल सके।

खाद्य सुरक्षा और निरंतरता बढ़ाने के लिए खाद्य पदार्थों, खासकर फलों और सब्जियों जैसे जल्दी खराब होने वाले पदार्थों की हानि और बर्बादी को कम करना बहुत जरूरी है। इससे हमारे किसानों के लिए लाभकारी दाम सुनिश्चित करने में भी मदद मिलती है।इसके अतिरिक्त, जैसे-जैसे कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों काव्यापार बढ़ता है, प्रभावी खाद्य सुरक्षा प्रबंधन और भी महत्वपूर्ण होता जाता है। कई विकसित अर्थव्यवस्थाओं में आयात होने वाले खाद्य पदार्थों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बहुत कड़े खाद्य सुरक्षा नियम और कार्यप्रणालियां हैं। खाद्य सुरक्षा संबंधी घटनाओं के सार्वजनिक स्वास्थ्य जोखिम, उपभोक्ता विश्वास में कमी और खाद्य आपूर्ति और मूल्य स्थिरता में व्यवधान जैसे गंभीर आर्थिक परिणाम हो सकते हैं। इसलिए, न केवल सार्वजनिक स्वास्थ्य की रक्षा के लिए, बल्कि आर्थिक विकास में सहयोग करने, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा देने तथा बाजार तक पहुंच बनाए रखने के लिए भी खाद्य सुरक्षा की रक्षा करना आवश्यक है।

खाद्य सुरक्षा एवं संरक्षा की समस्याओं से निपटने और अपने सतत विकास लक्ष्यों को पूरा करने की दिशा में भारत की प्रतिबद्धता के अनुरूप, वर्ष 2024-25 के केंद्रीय बजट में एमएसएमई क्षेत्र में 50 बहु-उत्पाद खाद्य विकिरण इकाइयों की स्थापना के लिए धनराशि आवंटित की गई है। यह खाद्य सुरक्षा और संरक्षा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है क्योंकि खाद्य विकिरण प्रौद्योगिकी कृषि खाद्य उत्पादों की शेल्फ लाइफ और सुरक्षा में इजाफा करती है, जिससे उनका उपभोक्ताओं तक उपयुक्त स्थिति में पहुंचना तथा उत्पादन और आपूर्ति श्रृंखला में खाद्य हानि का कम होना सुनिश्चित होता है।

खाद्य विकिरण में खाद्य पदार्थों को, चाहे वे पैक किए गए हों या बल्क में, सावधानीपूर्वक नियंत्रित वातावरण में आयनकारी विकिरण के संपर्क में लाना शामिल है। यह पद्धति हानिकारक सूक्ष्मजीवों को नष्ट करके खाद्य जनित बीमारियों के जोखिम को प्रभावी ढंग से कम करती है। यह समय से पहले पकने, फुटाव या अकुरण में देरी करके खाद्य हानि को कम करते हुए क्षय की प्रक्रिया को धीमा करके और उसमें खराबी उत्पन्न करने वाले जीवों को नष्ट करके खाद्य पदार्थों को खराब होने से भी बचाती है। यह खाद्य उत्पादों की शेल्फ लाइफ बढ़ाने में रासायनिक परिरक्षकों की आवश्यकता को भी कम करती है, जिससे अधिक टिकाऊ खाद्य आपूर्ति श्रृंखला में योगदान मिलता है। विकिरण प्रसंस्करण में आमतौर पर अपेक्षित प्रभाव प्राप्त करने के लिए केवल एक एक्सपोज़र ट्रीटमेंट की आवश्यकता होती है, जो प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करता है, खाद्य सुरक्षा पद्धतियों को सरल बनाता है, और खाद्य आपूर्ति श्रृंखला में लागत में कमी लाने में योगदान देता है।

हालांकि खाद्य संरक्षण के लिए विकिरण के उपयोग की अवधारणा कोई नई नहीं है- सदियों से संरक्षण के लिए फल, सब्जियां, वनस्पति, मांस, मछली आदि को धूप में सुखाने जैसे पारंपरिक तरीकों का उपयोग किया जाता रहा है- संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) के संयुक्त खाद्य मानक कार्यक्रम के अंतर्गत कोडेक्स एलिमेंटेरियस आयोग द्वारा वैश्विक मानक स्थापित किए जाने पर खाद्य विकिरण प्रौद्योगिकी के प्रति आधुनिक दिलचस्पी बढ़ी।

खाना पकाने की तरह ही खाद्य विकिरण भी सभी पहलुओं में खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने का सुरक्षित और प्रभावी तरीका है। इसे खासकर अमेरिका, यूरोपीय संघ, जापान, ऑस्ट्रेलिया और कनाडा जैसे उन्नत खाद्य सुरक्षा मानकों वाले देशों में व्यापक रूप से अपनाया गया है, जहां इसका घरेलू और निर्यात दोनों ही तरह के बाजारों में बड़े पैमाने पर उपयोग किया जाता है। इसके प्रभाव का उल्लेखनीय उदाहरण 2012 का समझौता है, जिसने 20 साल के प्रतिबंध के बाद भारतीय आमों को अमेरिका को निर्यात करने की अनुमति दी। यह सफलता भारत द्वारा कीटों के खतरे को खत्म या काफी हद तक कम करने के लिए निर्यात से पहले अपने आमों को विकिरणित करने पर सहमत होने, फलस्वरूप अमेरिका की घरेलू कृषि की रक्षा होने से हासिल हुई।

भारत ने भी समूचे देश में 34 विकिरण प्रसंस्करण सुविधाएं स्थापित करते हुए उल्लेखनीय प्रगति हासिल की है। इनमें से 16 सुविधाओं को एमओएफपीआई की सहायता प्राप्त होने सहित इस बुनियादी ढांचे को विकसित करने में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय (एमओएफपीआई) ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यद्यपि यह प्रगति सराहनीय है, लेकिन सुविधाओं की संख्या और वितरण का विस्तार करने से हमारे जीवंत कृषि खाद्य बाजार की बढ़ती मांगों को पूरा करने की हमारी क्षमता में और वृद्धि होगी।

हालांकि, खाद्य विकिरण सुविधाओं की व्यापक कमीशनिंग उच्च पूंजीगत लागतों से अवरुद्ध है। 1एमसीआई कोबाल्ट 60 सोर्स युक्त एक विकिरण सुविधा स्थापित करने के लिए भूमि और अतिरिक्त बुनियादी ढांचे की लागतों के बिना लगभग 25 से 30 करोड़ रुपये के निवेश की आवश्यकता होती है। इसकी कमीशनिंग प्रक्रिया में प्रस्ताव की जांच, अनुमोदन, साइट क्लीयरेंस, संयंत्र का निर्माण, स्रोत स्थापना, सुरक्षा आकलन और मार्गदर्शन, पर्यवेक्षण, कमीशनिंग और विकिरण स्रोतों के सामयिक प्रतिस्थापन सहित निरंतर रखरखाव जैसे कई महत्वपूर्ण चरण शामिल हैं। भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र और परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड जैसे प्रमुख संगठन इस प्रक्रिया का निरीक्षण करते हैं।

इन सुविधाओं से संबंधित शुरुआती उच्च पूंजीगत लागतों के बावजूद, यहां निवेशकों के लिए पर्याप्त अवसर मौजूद हैं। घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों तरह के बाजारों में सुरक्षित, लंबे समय तक चलने वाले खाद्य उत्पादों की बढ़ती मांग निवेश के लाभप्रद अवसर प्रस्तुत करती है। खाद्य सुरक्षा संवर्धित करने और शेल्फ लाइफ बढ़ाने की क्षमता खाद्य विकिरण सुविधाओं को खाद्य अपशिष्ट में कमी लाने और कड़े निर्यात मानकों को पूरा करने की दिशा में महत्वपूर्ण बनाती है। वर्ष 2025-26 तक भारतीय खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र के 535 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने की संभावना और प्रसंस्कृत खाद्य निर्यात की लगातार बढ़ती हिस्सेदारी के साथ, विकिरण सुविधाएं निवेश के आशाजनक अवसर प्रस्तुत करती हैं।

खाद्य की बर्बादी में कमी लाने के उद्देश्य से बुनियादी ढांचे के विकास में सहायता करने के लिए खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय (एमओएफपीआई) खाद्य विकिरण इकाइयों की स्थापना के लिए प्रति परियोजना 10 करोड़ रुपये तक की वित्तीय सहायता भी प्रदान करता है। अनुदान या सब्सिडी के रूप में प्रदान की जाने वाली यह सहायता फलों और सब्जियों सहित जल्दी खराब होने वाले उत्पादों को बचाने और उनकी स्वच्छता एवं शेल्फ लाइफ बढ़ाने के लिए प्रदान की जाती है। केंद्रीय बजट 2024-25 में घोषणा के बाद, एमओएफपीआई ने एकीकृत कोल्ड चेन और मूल्य संवर्धन अवसंरचना (कोल्ड चेन योजना) के तहत बहुउत्पाद खाद्य विकिरण इकाइयों की स्थापना के लिए उद्यमियों से अभिरुचि की अभिव्यक्ति आमंत्रित की हैं।

खाद्य सुरक्षा बढ़ाने और जल्दी खराब होने वाले उत्पादों की शेल्फ लाइफ बढ़ाने में खाद्य विकिरण की महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए, भारतीय खाद्य आपूर्ति श्रृंखला और कृषि खाद्य निर्यात क्षेत्र की बढ़ती मांगों को पूरा करने के लिए हमारे बुनियादी ढांचे का विस्तार करने की सख्त जरूरत है। हम निवेशकों और उद्यमियों से आग्रह करते हैं कि वे खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय द्वारा प्रदान की जाने वाली वित्तीय सहायता का उपयोग करके अतिरिक्त विकिरण सुविधाएं स्थापित करने के इस अवसर का लाभ उठाएं। विकिरण सुविधाओं में निवेश करने से खाद्य सुरक्षा बढ़ेगी, बर्बादी में कमी आएगी और समूचे भारत में खाद्य सुरक्षा में सुधार होगा, साथ ही हमारे किसानों के लिए बेहतर दाम भी सुनिश्चित होंगे। भारत के खाद्य उद्योग में पूरी तरह बदलाव लाने के लिए हमारे साथ जुड़िए- आपका निवेश टिकाऊ कृषि के भविष्य को गति देगा और उन्नतिशील अर्थव्यवस्था में योगदान देगा।

रोटी बनाते और खाते समय जरूर बरतें ये सावधानी, वरना सेहत को हो सकता है भारी नुकसान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 11 सितम्बर : रोटी भारतीय भोजन का हिस्सा है. हालांकि उत्तर भारत में लोग अधिक रोटियां खाते हैं, जबकि दक्षिण भारत में कम खाते हैं. कई लोग उन्हें पैन (तवा) के बजाय सीधे आंच पर पकाते हैं. यह कई क्षेत्रों में आम है. शोध से पता चला है कि रोटी को सीधे आंच पर पकाने से कैंसर हो सकता है. आइए जानते हैं इसके बारे में. 2018 में जर्नल ऑफ फूड साइंस में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार रोटी या किसी भी खाद्य पदार्थ को सीधे उच्च तापमान पर पकाने से कैंसर होने की संभावना अधिक होती है. डॉक्टर जे.एस. ली, जे.एच. किम, वाई.जे. ली ने ₹₹Formation of Polycyclic Aromatic Hydrocarbons (PAHs) in Food During Cooking₹ रिपोर्ट पर अध्ययन में भाग लिया।

डॉक्टरों रिपोर्ट का कहना है कि उच्च तापमान पर खाना पकाने के कारण कैंसर पैदा करने वाले यौगिक जैसे एक्रिलामाइड, हेट्रोसाइक्लिक एमाइन (HCA) और पॉलीसाइक्लिक एरोमैटिक हाइड्रोकार्बन (PAH) भी पैदा हो सकते हैं. इसके अलावा मांस को सीधे आंच पर भूनने से कैंसर का खतरा बढ़ सकता है. हालांकि डॉक्टर इस कैंसर से बचने के लिए कुछ टिप्स बताते हैं.कैंसर के खतरे को कैसे कम करें। रोटी को जलने से बचाएं : यह सुनिश्चित करें कि रोटी पकाते समय बहुत ज्यादा नहीं जलनी चाहिए. आंच धीमी कर दें और रोटी को जलने से बचाने के लिए बार-बार पलटें. बार-बार पलटने से आप देख सकते हैं कि यह जली नहीं है. खाने से पहले जले हुए काले हिस्से को हटाने की सलाह दी जाती है , कम खाएं : अगर आपको सीधे आंच पर पकी हुई रोटी पसंद है, तो डॉक्टर उन्हें कम रोटी खाने की सलाह देते हैं. इसके बजाय, आहार में संतुलित खाद्य पदार्थों को शामिल करने की सलाह दी जाती है.

पैन पर सेंकने की सलाह : रोटी को सीधे आंच पर सेंकने के बजाय पैन (तवा) पर सेंकने का सुझाव दिया जाता है. ऐसा करने से पैन उच्च तापमान को अवशोषित कर लेता है. कम आंच पर रोटियों को पकाने में मदद करता है. कहा जाएगा. परिणामस्वरूप, PAH और एक्रिलामाइड के उत्पादन को रोकता है. डाइट में ये फूड शामिल करें: अगर आप बहुत अधिक रोटी खाते हैं तो भी आपको अपने आहार में एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर फल और सब्जियां शामिल करने की सलाह दी जाती है. ये फ्री रेडिकल्स, ऑक्सीकरण तनाव को कम करने और कैंसर को रोकने में मदद करते हैं. इसीलिए डॉक्टर कहते हैं कि कैंसर से बचने के लिए इन तरीकों का पालन करना चाहिए.

ऋतु खंडूरी भूषण करेंगी पोषण माह की शुरुआत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

,देहरादून 11 सितंबर , उत्तराखंड विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूरी राष्ट्रीय पोषण माह पर 3 दिवसीय चित्र प्रदर्शनी और जागरूकता अभियान की शुरुआत करेंगी. सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय का केंद्रीय संचार ब्यूरो नैनीताल रुद्रपुर में पोषण पर जागरूकता अभियान चला रहा है. कार्यक्रम के आयोजक क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी नीरज कुमार भट्ट ने बताया कि पोषण के बारे में जागरुक करने के लिए एक मल्टीमीडिया वैन चलाई जा रही है जिसका उद्घाटन उत्तराखंड बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉक्टर गीता खन्ना ने हरी झंडी दिखाकर की. उन्होंने बताया कि वैन के जरिये वीडियो संदेश दिखाए जा रहे हैं, साथ ही प्रचार साहित्य भी बांटा जा रहा है.

युवा भवन में तीन दिन तक हो रहे कार्यक्रम में लोकसभा सांसद अजय भट्ट पूर्व कैबिनेट मंत्री अरविन्द पाण्डेय, विधायक शिव अरोड़ा, दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री सुरेश भट्ट, जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी सहित वरिष्ठ अधिकारियों और गणमान्य नागरिकों को आमंत्रित किया गया है. विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूरी विभिन्न प्रतियोगिताओं के प्रतिभागियों को सम्मानित करने के साथ ही गोद भराई और पोषण पर अच्छा काम कर रहे कार्मिकों को सम्मानित भी करेंगी.

केंद्रीय संचार ब्यूरो की श्रद्धा गुरुरानी तिवारी ने बताया कि तीनों दिन स्वास्थ्य विभाग कि तरफ से हेल्थ और पोषण कैंप लग रहे हैं. विषय विशेषज्ञ पोषण पर विशेष व्याख्यान देंगे. कार्यक्रम संयोजक डॉ दीपा जोशी ने बताया कि तीनों दिन रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से भी लोगों को मनोरंजक तरीके से पोषण के प्रति जागरूक किया जायेगा. साल 2018 से शुरू हुए पोषण माह का का सातवां संस्करण है. इस साल के पोषण माह की थीम सुपोषित किशोरी, सशक्त नारी है.

कांग्रेस ने राज्यपाल को सौंपा मंत्री गणेश जोशी के खिलाफ ज्ञापन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 11 सितंबर , उत्तराखंड में आगामी निकाय चुनाव, पंचायत चुनाव और केदारनाथ उपचुनाव की तैयारियों को लेकर मंगलवार को देहरादून स्थित कांग्रेस प्रदेश मुख्यालय में कांग्रेस समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई. बैठक में प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने शिरकत की. बैठक में कांग्रेस प्रदेश सह प्रभारी सुरेंद्र शर्मा की अगुवाई में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई.

देहरादून कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित कांग्रेस समन्वय समिति की बैठक मंगलवार सुबह करीब 11:30 बजे शुरू हुई. बैठक में सुरेंद्र शर्मा ने वरिष्ठ नेताओं के साथ संगठन को मजबूत किए जाने, केदारनाथ प्रतिष्ठा रक्षा यात्रा को दोबारा शुरू करने की तैयारियों पर भी विस्तृत चर्चा की गई. बैठक करीब दोपहर एक बजे तक चली. इसके बाद कांग्रेस प्रदेश सह प्रभारी सुरेंद्र शर्मा के नेतृत्व में कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल ने राजभवन में राज्यपाल गुरमीत सिंह को ज्ञापन सौंपा. ज्ञापन में कांग्रेस ने प्रदेश की कानून व्यवस्था पर चिंता जाहिर की जबकि अंतरराष्ट्रीय बॉर्डर पर पकड़े गए भाजपा विधायक के भाई के खिलाफ उचित कार्रवाई न होने का मुद्दा रखा.

आचार्य विनोबा भावे को किया याद

देहरादून। आचार्य विनोबा भावे की जयंती की पूर्व संध्या पर जनकवि डॉ. अतुल शर्मा के वाणी विहार स्थित आवास पर गोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें आचार्य विनोबा भावे को याद किया गया। कहानीकार रेखा शर्मा ने कहा कि सन पचास और साठ के दशक के बीच देहरादून में सर्वोदय सम्मेलन हुआ था। इसमे आचार्य विनोबा और उत्तर प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री सम्पूर्णानन्द भी आए थे। वे हिन्दू नेशनल स्कूल में रहे। बच्चों को विनोबा के दर्शन करने और उनके प्रवचन सुनने का मौका मिला था। भूदान यज्ञ पदयात्रा के तहत वे कालसी तक पहुंची। कवियित्री रचना शर्मा ने बताया कि विनोबा भावे की जयंती हर साल मनाई जाती है। उन्होंने कहा कि स्वाधीनता संग्राम सेनानी और सामाजिक कार्यकर्ता विनोबा भावे के विचारों से सीख लेने की जरूरत है।

डीएवी में विभिन्न मांगों को लेकर छात्र धरने पर बैठे

देहरादून। डीएवी पीजी कॉलेज में मंगलवार को रिक्त पदों पर शिक्षकों की नियुक्ति, स्मार्ट क्लास समेत विभिन्न मांगों को लेकर छात्र अनिश्चितकालीन धरने पर बैठ गए हैं। उन्होंने कॉलेज प्रबंधन पर मनमानी का आरोप लगाया है। छात्रसंघ अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल के नेतृत्व में एनएसयूआई कार्यकर्ता और छात्र कॉलेज परिसर में नारेबाजी करते हुए धरने पर बैठे। इस दौरान अग्रवाल ने कहा कि कॉलेज में कई विभागों में अध्यापकों के पद रिक्त हैं। इससे शिक्षण कार्य प्रभावित हो रहा है। कक्षाओं में बैठने की उचित व्यवस्था भी नहीं है, इससे छात्र-छात्राएं परेशान हैं। उन्होंने कहा कि कॉलेज में छात्रों के लिए स्मार्ट क्लास बनाई जाएं। साथ ही छात्रों के लिए आई कार्ड पर फ्री बस पास की सुविधा मिले। उन्होंने कहा कि बीते छह महीने से वो मांगों को लेकर संघर्ष कर रहे हैं। अधिकारियों, नेताओं से वार्ता भी की जा चुकी है। बावजूद इसके मांगों पर अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हो पाई है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द मांगे नहीं मानी गई तो छात्र उग्र आंदोलन करेंगे। मौके पर सौरभ सेमवाल, सौरभ पोखरियाल, आदित्य राणा, दक्ष रावत, बंटी चौहान, हिमांशु रावत, आदित्य थपलियाल, सुशांत रावत, आर्यन आदि मौजदू थे।

कोयला खदान में पर्यावरण प्रबंधन पर दिया जोर

देहरादून। भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् देहरादून में मंगलवार को साउथ ईस्टर्न कोल फील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) बिलासपुर छत्तीसगढ़ के अधिकारियों के लिए वन नियम, पारिस्थितिकी और जैव विविधता पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें कोल खनन में पर्यावरण प्रबंधन पर जोर दिया गया। संस्थान में परिषद् की महानिदेशक कंचन देवी ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने कोयला खदान भूमि के पुनर्स्थापन के साथ पर्यावरण प्रबंधन पर जोर दिया। उन्होंने वानिकी से संबंधित पारिस्थितिकी और जैवविविधता के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि खनन भूमि पुनर्स्थापन में वन और उससे जुड़ी वनस्पतियों, जंतुओं का रखरखाव जरूरी है। उन्होंने बताया कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम चार दिन चलेगा।

डीएम सविन बंसल ने किया भारतरत्न प0 गोविन्द बल्लब पंत के चित्र पर माल्यार्पण श्रद्धासुमन अर्पित

देहरादून। भारतरत्न प0 गोविन्द बल्लभ पंत जी की 137वीं जयंती के अवसर पर आज ऋषिपर्णा सभागार कलेक्ट्रेट में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी सविन बंसल ने अधिकारी/कर्मचारियों के साथ भारतरत्न प0 गोविन्द बल्लब पंत के चित्र पर माल्यार्पण किया तथा कार्मिकों के द्वारा पुष्प अर्पण किए गए।

जिलाधिकारी ने भारतरत्न प0 गोविन्द बल्लब पंत के जीवन दर्शन, देश की स्वतंत्रता, तथा देश की सामाजिक एवं राजनैतिक, आर्थिक प्रगति में उनके योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनका जीवन युवा पीढी के मागदर्शन एवं व्यक्तिव के विकास में सदैव प्रेरणास्त्रोत है। इस कार्यक्रम को मनाने का प्रमुख उद्देश्य है कि युवा पीढी देश की महान विभूति, महापुरूषों के योगदान को स्मरण में रखते हुए उनके दिखाए मार्ग पर आगे बढ सकें।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रशासन, जयभारत सिंह,नगर मजिस्टेट प्रत्युष सिंह, उप जिलाधिकारी मुख्यालय शालिनी नेगी, सहित कलेक्ट्रेट के अधिकारी, सूचना अधिकारी एवं सूचना विभाग के कार्मिक उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

खुद को रेखा आर्या बताकर लोगों को धमका रही थी महिला

देहरादून। कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या की ओर से बरेली, यूपी में एक महिला के खिलाफ दर्ज कराए गए मुकदमे के बाद खुद मंत्री ने आगे आकर पूरे घटनाक्रम से पर्दा उठाया है। उन्होंने कहा कि संबंधित महिला समाज में खुद को रेखा आर्या प्रचारित कर लोगों को धमका रही थी और उनका और उनके पति गिरधारी लाल शाहू को बदनाम कर रही थी। मुकदमा दर्ज होने के बाद मंगलवार को मीडिया को जारी बयान में मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि महिला की ओर से अपने दस्तावेजों में उनके बरेली स्थित आवास का पता और उनके पति के नाम का इस्तेमाल किया जा रहा था। मंत्री ने कहा कि उनकी जानकारी में आया था कि महिला जिस गाड़ी में घूमती थी, उसमें उत्तराखंड सरकार की तख्ती और हूटर भी लगाया गया था। इसके साथ ही महिला खुद को रेखा आर्या बताते हुए जगह-जगह फोन करती थी और दबदबा बनाती थी। इस प्रकार की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने संबंधित क्षेत्री के पुलिस अधिकारियों से संपर्क किया और महिला के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई। उन्होंने कहा कि अब इस मामले में पुलिस अपना काम करेगी।

भाजपा संगठन पर्व का पोस्टर लांच, सदस्यता किट जारी

देहरादून। भाजपा ने संगठन पर्व के तहत महासंपर्क अभियान को लेकर प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने मंगलवार को पोस्टर लांच किया है। पार्टी ने सभी बूथों के लिए सदस्यता किट भी जारी की है। भाजपा ने अब तक 2.39 लाख लोगों को नए सिरे से सदस्य बनाया है। बलवीर रोड स्थित पार्टी मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश भट्ट ने कहा कि सदस्यता अभियान के प्रचार प्रसार और इसे गति देने के लिए सदस्यता किट लांच किया गया। कहा कि अभी तक यह अभियान व्यक्तिगत संपर्क से आगे बढ़ाया जा रहा था और बुधवार से एक सप्ताह का महा जनसंपर्क अभियान शुरू किया जाएगा। पार्टी ने तीन सितंबर को सदस्यता अभियान शुरू किया था। इसके तहत विधानसभा एवं मंडल स्तर के लिए निर्धारित अल्पकालीन विस्तारक, जनप्रतिनिधियों एवं पार्टी पदाधिकारियों के साथ बूथ स्तर पर संपर्क अभियान चलाएंगे। कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री पुष्कर धामी के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार के कामों से राज्य में लोगों को पार्टी से जुड़ने के लिए जबरदस्त उत्साह है। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान आम लोगों को पार्टी से जोड़ने के साथ संगठन की विचारधारा और सरकार के कामों को भी प्रचारित प्रसारित किया जाएगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक लोगों तक संपर्क कर संगठन के विचारों एवं सरकार के उपलब्धियां को पहुंचाने का आह्वान किया। सदस्यता अभियान के प्रदेश संयोजक कुलदीप कुमार ने बताया कि प्रदेश सभी 11729 बूथों पर यह सदस्यता किट भेजी गई है। प्रत्येक किट में केंद्र एवं राज्य सरकार के कामकाज और पार्टी के विचारों से संबंधित प्रपत्र के साथ ऑफलाइन सदस्यता फॉर्म एवं अभियान का स्टीकर भी दिया है। कार्यक्रम में अभियान के प्रदेश सह संयोजक मुकेश कोली,सह मीडिया प्रभारी राजेंद्र सिंह नेगी के साथ ही कमलेश उनियाल, सुनीता विद्यार्थी कमलेश रमन, विशाल गुप्ता आदि शामिल रहे।

बूथ के 200 परिवारों से होगा संपर्क

कुलदीप कुमार ने बताया कि इस चरण में प्रत्येक बूथ पर कम से कम 200 परिवारों तक संपर्क कर उन्हें सदस्य बनाया जाएगा। इस एक सप्ताह के अभियान में निश्चित किए गए अल्पकालीन विस्तारक सातों दिन क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि एवं पदाधिकारियों के साथ मिलकर अभियान को गति देंगे।

मंत्री को बताए बिना हो रहे तबादले, अटेचमेंट, प्रमोशन

देहरादून। प्रशिक्षण एवं सेवायोजन विभाग में कर्मचारियों के तबादले, सम्बद्धीकरण और पदोन्नति के मामलों को विभागीय मंत्री के संज्ञान में नहीं लाया जा रहा है। इस पर विभागीय मंत्री सौरभ बहुगुणा के स्तर से सख्त नाराजगी जताई गई है। मंत्री के प्रमुख निजी सचिव जेसी गुणवंत की ओर से निदेशक प्रशिक्षण एवं सेवायोजन को पत्र लिख कर इस व्यवस्था पर नाराजगी जताई गई है। साफ किया गया है कि यदि भविष्य में इस तरह का कोई भी आदेश किया गया, तो ऐसे आदेश स्वतः ही निरस्त समझे जाएंगे। पत्र में दो टूक स्पष्ट किया गया है कि विभागाध्यक्ष के स्तर से खुद ही आदेश किए जा रहे हैं। इन आदेशों के लिए न तो विभागीय मंत्री का अनुमोदन लिया जा रहा है। न ही आदेश उनके संज्ञान में लाए जा रहे हैं। आदेश जारी किए जाने के बाद भी उन्हें जानकारी के लिए भी विभागीय मंत्री के पास नहीं भेजा जा रहा है। इस पर गहरी नाराजगी जताई गई है। निर्देश दिए गए कि भविष्य में किए जाने वाले आदेश का पहले अनुमोदन लिया जाए। आदेश होने के बाद उसकी प्रति उपलब्ध कराई जाए। इसके लिए विभागीय मंत्री के कार्यालय से बाकायदा ईमेल आईडी भी निदेशक को भेजा गया है।

विश्व आत्महत्या निवारण दिवस, कोचिंग हब्स में छात्र आत्महत्याओं पर राष्ट्रीय सम्मेलन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 11 सितंबर, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के तत्वावधान में एनआईईपीवीडी और एनजीओ अखिल भारतीय प्रतिभा उत्थान अभियान (एबीपीयूए) द्वारा आयोजित एक राष्ट्रीय सम्मेलन में छात्र आत्महत्याओं के बढ़ते मामलों पर चर्चा की गई। इस सम्मेलन में मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ, गणमान्य व्यक्ति और प्रतिनिधि उपस्थित थे।

- आईपीएस डॉ नीलेश आनंद भरने, आईजी मॉडर्नाइजेशन एंड साइबर, उत्तराखंड पुलिस, और मानसिक स्वास्थ्य के नोडल अधिकारी, उत्तराखंड सरकार

- डॉ तारा आर्या, डीजी हेल्थ, उत्तराखंड सरकार

- विशिष्ट अतिथिः मेजर जनरल संजय शर्मा, विशिष्ट सेवा मेडल, और सेंट जोसेफ अकादमी अलुमनी एसोसिएशन के वैश्विक अध्यक्ष

सम्मेलन के मुख्य बिंदुः

- छात्र आत्महत्या की रोकथाम और हस्तक्षेप पर वैज्ञानिक सत्र- कोचिंग हब्स जैसे कोटा में उच्च जोखिम वाले युवाओं में आत्महत्या और प्रबंधन पर पैनल चर्चा- छात्र मानसिक स्वास्थ्य के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए राष्ट्रव्यापी अभियान और प्रतियोगिताओं की घोषणा

विशेषज्ञों के दृष्टिकोणः

- डॉ एसपीके जेना ने कोचिंग उद्योग को विनियमित करने की आवश्यकता पर जोर दिया- डॉ ढालवाल ने वैज्ञानिक लक्ष्य निर्धारण के महत्व पर बल दिया- शशांक चतुर्वेदी ने कोचिंग संस्थानों द्वारा अवास्तविक अपेक्षाओं को बढ़ावा देने को छात्र आत्महत्याओं के लिए जिम्मेदार ठहराया- डॉ नीलेश आनंद भरने ने कहा कि कोचिंग हब्स जैसे कोटा में नकारात्मकता का माहौल है और माता-पिता को अवास्तविक अपेक्षाओं के खतरों के बारे में शिक्षित किया जाना चाहिए।

सम्मेलन के समापन सत्र में श्री दीपक कुमार गैरोला, सचिव, उत्तराखंड सरकार ने कहा किः

- कोचिंग उद्योग को विनियमित किया जाना चाहिए- दैनिक दिनचर्या में योग और ध्यान को शामिल किया जाना चाहिए- संस्थानों में मंत्रों का जाप किया जाना चाहिए- प्रवेश से पहले वैज्ञानिक मूल्यांकन किया जाना चाहिए

इस सम्मेलन का उद्देश्य छात्र आत्महत्याओं के मुद्दे पर संवाद, सहयोग और ज्ञान साझा करना था। एनआईईपीवीडी और एबीपीयूए इस मुद्दे पर जागरूकता बढ़ाने और छात्र मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

चोरों ने चुराया देहरादून के 'दिल' से सामान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 11 सितंबर , क्या आप यकीं करेंगे कि किसी शहर की पहचान और शान माने जाने वाले घंटा घर पर ही चोर हाथ साफ कर दें। वो भी तक जब घंटाघर पर हर वक़्त पुलिस मुस्तैद दिखाई देती हो। लेकिन ऐसा हुआ है वो भी स्मार्ट सिटी देहरादून में जहाँ शहर के दिल से चोरी हो गयी है।

आपको सुनने थोड़ी अजीब लगेगा, लेकिन ये सच है कि चोरों ने इस बार देहरादून के घंटाघर का कीमती सामान चुरा लिया. इस मामले में देहरादून नगर निगम ने पुलिस को तहरीर भी दी है.उत्तराखंड में शायद चोर इतने बेख़ौफ़ हो गए हैं कि उनको सरकार की चेतावनी

पुलिस का डर भी उन्हें सुधार नहीं पा रहा है। तभी तो चोर अब ऐसी जगहों पर भी हाथ साफ कर दे रहे हैं, जहां कोई सोच भी नहीं सकता है.

ऐसा ही एक मामला देहरादून से सामने आया है. यहां देहरादून का दिल कहे जाने वाले घंटाघर पर लगा कीमती सामना ही चोरों ने साफ कर दिया.देहरादून नगर आयुक्त गौरव कुमार ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि घटाघंर पर लगी घड़ी कई दिनों से बंद है, तो उन्होंने अधिकारियों को घड़ी चेक करने के निर्देश दिए. देहरादून नगर निगम के अधिकारियों ने मौके पर जाकर पड़ताल की तो पता चला कि फव्वारे के लिए लगाई गई कीमती नोजल और घंटाघर को रोशन करने वाली लाइटों के केबल सहित अन्य कीमती सामान गायब है.

इसके बाद देहरादून नगर निगम के अधिकारियों ने मामले में रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए तहरीर दी है. वहीं, देहरादून घंटाघर पर इस चोरी ने एक बार फिर से पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर दिए. क्योंकि घंटाघर वो जगह है, जहां पर दिनभर भीड़ रहती है. वहीं रात में घंटाघर पर हमेशा पुलिस तैनात रहती है. इससे पहले भी चोर दो बार चोरी की वारदात को अंजाम दे चुके हैं.

नगर आयुक्त गौरव कुमार ने बताया है कि अज्ञात चोरों ने कुछ तार, सामान और पैनल को चोरी कर लिया है, जिससे घंटाघर की घड़ी बंद होने के साथ ही घंटाघर के सौंदर्यीकरण के लिए लगी लाइटें भी बंद पड़ गई हैं. उन्होंने बताया कि यह तीसरी बार हुआ है, जब घंटाघर से तार और पैनल चोरी किये गये हैं.

भंडारों से भाईचारे को मिलता हैं बढ़ावा : अभय राणा

■ बेहट में जाहरवीर गोगा महाडी पर किया भंडारे का आयोजन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

छुटमलपुर 11 सितम्बर : बेहट कस्बे के मोहल्ला खालसा के रोशन बाग में स्थित जाहरवीर गोगा जी महाराज की महाडी पर भंडारे का आयोजन बड़ी धूमधाम से किया गया।इस दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद चढ़कर मंगत मन्नत मांगी और भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया।

भंडारे से पूर्व महाडी पर मोहित जैन के परिवार द्वारा निशान चढ़ाकर पूजा- अर्चना की गई। उसके उपरांत महडी पर पहुंचने वाले श्रद्धालुओं ने भी शीश नवाकर मन्नत मांगी। इस अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ युवा नेता अभय राणा ने कहा कि इस तरह के आयोजन करने से आपसी भाईचारा बढ़ता हैं। इसलिए सबको मिलजुलकर ऐसे आयोजन करने चाहिए।

इस अवसर पर मुख्य रूप से जिला पंचायत

अध्यक्ष चौधरी मांगेराम, पूर्व विधायक नरेश सैनी, जिला पंचायत सदस्य मुकेश चौहान, हंसराज गौतम, भाजपा जिला कोषाध्यक्ष अनिल सिंघल, वरिष्ठ समाजसेवी जितेन्द्र जैन, गन्ना समिति के चेयरमैन सुधीर चौहान, मुजफ्फराबाद ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि योगेश पुंडीर, नगर प्रचारक उदय प्रताप, प्रमुख समाजसेवी अजय जैन, समाजसेवी व भाजपा नेता संजीव कर्णवाल उर्फ बॉबी, सभासद सत्य प्रकाश रोहिला, फराज अहमद, पीरू मियां , सुधीर कर्णवाल, सरफराज खान, अजय राणा, अमित जैन, तेजपाल काम्बोज, मोहम्मद अहमद काजमी एड. , टीपू सुल्तान आदि मौजूद रहे। इस दौरान श्रद्धालुओं ने भंडारे में कढ़ी चावल और हलवे का प्रसाद भी ग्रहण किया।

संक्षिप्त खबरें

पीसीएस अफसरों के बंपर प्रमोशन, आदेश जारी

देहरादून । राज्य सरकार ने प्रांतीय सिविल सेवा (कार्यकारी शाखा) में बंपर प्रमोशन किए हैं। 27 पीसीएस अफसरों को चयन श्रेणी से विशेष श्रेणी जबकि 10 को ज्येष्ठ श्रेणी से चयन श्रेणी ग्रेड पे पर प्रोन्नत किया है। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी के अनुमोदन के बाद अपर मुख्य सचिव कार्मिक आनंद बर्धन ने मंगलवार को यह आदेश किए हैं। जिन 27 पीसीएस को विशेष श्रेणी ग्रेड पे दिया है, उनमें श्रीष कुमार, सादिया आलम, डा. ललित नारायण मिश्रा, अशोक कुमार पांडेय, विप्रा त्रिवेदी, डा. अभिषेक त्रिपाठी, शिव कुमार बरनवाल, मुहम्मद नासिर, इला गिरि, राहुल कुमार गोयल, जयभारत सिंह, वीर सिंह, त्रिलोक सिंह व सुंदर लाल सेमवाल शामिल हैं। इनके अलावा मोहन सिंह, गिरीश चंद्र गुणवंत, शिवचरण द्विवेदी, प्रकाश चंद्र दुम्का, चंद्र सिंह मर्तोलिया, हेमंत कुमार वर्मा, उत्तम सिंह चौहान, जगदीश चंद्र कांडपाल, चंद्र सिंह , अशोक कुमार जोशी, अरविंद कुमार पांडेय, कृष्ण कुमार मिश्र और प्यारे लाल भी हैं। इन सभी को 7600 ग्रेड पे से 8700 ग्रेड पे में प्रोन्नति दी गई है। इनमें श्रीष कुमार को छोड़कर अन्य सभी की पदोन्नति हाईकोर्ट में लंबित वाद के निर्णय के अधीन रहेगी। पीसीएस संवर्ग के अन्य 10 जिन अफसरों को ग्रेड पे 6600 से 7600 ग्रेड पे में पदोन्नति मिली है, उनमें श्याम सिंह राणा, किशन सिंह नेगी, नारायण सिंह नबियाल, अनिल गर्ब्याल, रजा अब्बास, विवेक प्रकाश, अवधेश कुमार सिंह, विवेक राय, पंकज कुमार उपाध्याय और दिनेश प्रताप सिंह शामिल हैं।

सनातन धर्म की रक्षा के लिए निकालेंगे पदयात्रा

देहरादून । पंचदशनाम जुना अखड़ा के यति रामस्वरूपानंद गिरी सनातन धर्म की रक्षा के लिए उत्तराखंड में पद यात्रा करेंगे। मंगलवार को प्रेस क्लब में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि पद यात्रा बुधवार से शुरू करेंगे। यति रामस्वरूपानंद गिरी ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों की निंदा की। उन्होंने कहा कि आज हिंदू उत्तराखंड में भी सुरक्षित नहीं है। हिंदुओं के साथ यहां भी अत्याचार हो रहे हैं। सनातनियों पर अत्याचार करने वाली ताकतों का विरोध किया जाएगा। इसके लिए देवभूमि उत्तराखंड शुद्धिकरण अभियान शुरू किया जा रहा है, इसके तहत वह बुधवार से पूरे उत्तराखंड में पदयात्रा करेंगे। इसके साथ ही इसी साल 17 दिसंबर से होने वाली विश्व धर्म संसद में भी इस मुद्दे को पुरजोर ढंग से उठाया जाएगा।

देहरादून एयरपोर्ट का होगा विस्तार वर्तमान रोड़ की जगह बनेगा रनवे

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 11 सितम्बर : एयरपोर्ट के रनवे और अन्य सुविधाओं के विस्तार के लिए अभी भी काफी अधिक भूमि की आवश्यकता है। यदि एयरपोर्ट के आस-पास अतिरिक्त भूमि उपलब्ध होती है, तो उस पर एनटीआरओ को स्थापित करने की योजना है। जौलीग्रांट एयरपोर्ट के विस्तार के चलते एयरपोर्ट मार्ग को दूसरी दिशा में स्थानांतरित किया जाएगा जिससे वर्तमान मार्ग बंद हो जाएगा और उसकी जगह पर रनवे का विस्तार किया जाएगा।

इसके लिए थानो वन रेंज से लगभग 46 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण प्रस्तावित है, जिसकी लंबाई 700 मीटर और चौड़ाई 184 मीटर होगी। वन विभाग, युकाडा और एयरपोर्ट अधिकारियों की एक संयुक्त टीम ने इस भूमि का सर्वेक्षण कर लिया है। अब भूमि का सीमांकन और वहां खड़े पेड़ों की गणना की जाएगी। भूमि हस्तांतरण के बाद एयरपोर्ट को यह भूमि सौंप दी जाएगी जिस पर 700 मी. रनवे का विस्तार होना है।ऋषिकेश-भानियावाला मुख्य मार्ग पर रानीपोखरी पुल के पास से एयरपोर्ट की दिशा की ओर जाने वाला मार्ग विस्तार के दायरे में आएगा। इस मार्ग को रनवे के अंत में जाखन नदी की ओर वन भूमि पर स्थानांतरित किया जाएगा। इसके बाद, एयरपोर्ट पर आवाजाही के लिए नया मार्ग ही उपयोग में लाया जाएगा। इसके साथ ही, ऋषिकेश और गढ़वाल की तरफ से थानो के रास्ते रायपुर जाने वाले लोगों को भी इसी नए मार्ग का इस्तेमाल करना पड़ेगा।एयरपोर्ट रनवे के विस्तार के साथ ही नेशनल टेक्निकल रिसर्च

ऑर्गेनाइजेशन (एनटीआरओ) को भी स्थानांतरित करने की संभावना है, यदि इसके लिए उपयुक्त भूमि उपलब्ध होती है। एयरपोर्ट की बढ़ती जरूरतों के लिए अतिरिक्त भूमि की आवश्यकता है और यदि आसपास कहीं भूमि मिलती है, तो एनटीआरओ को वहां स्थापित किया जा सकता है। वर्तमान में एनटीआरओ संस्थान एयरपोर्ट रनवे के निकट स्थित है।

अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट बनाए जाने की दिशा में देहरादून एयरपोर्ट का रनवे विस्तार किया जा रहा है, जिससे बड़े विमानों के लिए सुरक्षित लैंडिंग संभव हो सकेगी। वर्तमान में एयरपोर्ट पर 185 सीटर विमानों की लैंडिंग सुगमता से हो रही है और सेना के भारी विमानों जैसे सी-17 ग्लोबमास्टर भी यहां आ चुके हैं। रनवे की मौजूदा लंबाई 2140 मीटर है, जबकि प्रस्तावित विस्तार के बाद यह लगभग 2800 मीटर हो जाएगी जिससे और भी बड़े विमानों की लैंडिंग संभव होगी।

उत्तराखंड : नर्सिंग-पैरामेडिकल कोर्स के लिए आवेदन की तिथि घोषित, ये रहेगी प्रवेश प्रक्रिया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 11 सितंबर : उत्तराखंड में नर्सिंग और पैरामेडिकल कोर्सों में दाखिले के लिए आवेदन प्रक्रिया 10 सितंबर से शुरू हो गई है। इच्छुक अभ्यर्थी अंतिम तिथि से पूर्व आवेदन करें। उत्तराखंड में 50 से अधिक निजी नर्सिंग कॉलेजों में राज्य कोटा की 50% सीटें विश्वविद्यालय स्तर पर भरी जाती हैं। इन कॉलेजों में मैनेजमेंट कोटे की 50% सीटों के लिए अलग प्रवेश प्रक्रिया अपनाई जाती है, जिसमें निजी कॉलेजों की एसोसिएशन द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा के आधार पर दाखिला दिया जाता है।

हालांकि इस साल सीट बंटवारे के फार्मूले पर शासन की ओर से कोई निर्णय नहीं लिया गया है। इंडियन नर्सिंग काउंसिल ने पहले बीएससी नर्सिंग दाखिलों के लिए केंद्रीकृत व्यवस्था लागू करने का आदेश जारी किया था। 2021 में बीएससी नर्सिंग की सीटों को केंद्रीकृत काउंसिलिंग के माध्यम से भरने का प्रस्ताव शासन के पास गया था, लेकिन निजी कॉलेजों के विरोध के चलते शासन ने दाखिले पूर्व व्यवस्था के अनुसार ही जारी

रखने का निर्णय लिया।10 सितंबर से लेकर 18 सितंबर तक ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते है.

डाटा प्रोसेसिंगः 19 और 20 सितंबर सीट आवंटनः 21 सितंबर दाखिले की अंतिम तिथिः 27 सितंबर सरकारी व निजी कॉलेजों में सीटों की स्थिति एएनएम कोर्स में सरकारी कॉलेजों में 165 और निजी कॉलेजों में 174 सीटें उपलब्ध हैं। जीएनएम कोर्स के लिए सरकारी कॉलेजों में 154 और निजी कॉलेजों में 924 सीटें हैं। पोस्ट बेसिक कोर्स के अंतर्गत बीएससी नर्सिंग में सरकारी कॉलेजों में 33 और निजी कॉलेजों में 319 सीटें हैं, जबकि एमएससी नर्सिंग में सरकारी कॉलेजों में 20 और निजी कॉलेजों में 156 सीटें हैं। बीएससी पैरामेडिकल कोर्स में सरकारी कॉलेजों में 344 और निजी कॉलेजों में 1600 सीटें हैं।

प्रधानाचार्य की भर्ती को स्थगित, शिक्षक नहीं इससे संतुष्ट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। शिक्षकों के भारी दबाव की वजह से सरकार ने प्रधानाचार्य की भर्ती को स्थगित तो कर दिया है, लेकिन शिक्षक फिलहाल इससे संतुष्ट नहीं है। राजकीय शिक्षक संघ का कहना है कि प्रधानाचार्य के पद शतप्रतिशत प्रमोशन के पद है। इसमें विभागीय सीधी भर्ती कराना बिलकुल गलत है। इस मुद्दे पर दो सितंबर से जारी आंदोलन के भविष्य को लेकर संघ की बुधवार दोपहर होने वाली प्रांतीय कार्यकारिणी में अंतिम निर्णय किया जाएगा। संघ के अध्यक्ष राम सिंह चौहान ने कहा कि सरकार को चाहिए कि भर्ती को स्थगित करने के बजाए उसे तत्काल निरस्त करे। प्रधानाध्यापक व प्रधानाचार्य के रिक्त पदों को भरने के लिए प्रमोशन की कार्यवाही शुरू की जाए। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मंगलवार सुबह 10 बजे ही शिक्षक ननूरखेड़ा स्थित शिक्षा निदेशालय परिसर में प्रदर्शन करते हुए क्रमिक अनशन पर बैठ गए थे। दोपहर भर्ती को स्थगित करने की सूचना लेकर अपर निदेशक-माध्यमिक डॉ. मुकुल कुमार सती धरना स्थल पर पहुंचे। उन्होंने कहा कि सरकार ने स्थगित करने जा रही है। भर्ती प्रक्रिया में प्रवक्ता और एलटी कैडर के शिक्षकों को समान रूप से अवसर देने के लिए वर्तमान नियमावली को संशोधित करने का निर्णय किया गया है। लिहाजा शिक्षक आंदोलन वापस लेकर अपने स्कूलों में शिक्षा को सुचारु बनाने में सहयोग करें।

शिक्षकों ने डॉ. सती को दो टूक कहा कि शिक्षक संघ भर्ती को स्थगित नहीं बल्कि निरस्त कराने के लिए आंदोलन कर रहा है। शिक्षकों को रुख देकर डॉ. वहां से वापस अपने कार्यालय लौट गए। धरना स्थल पर शिक्षकों ने भर्ती स्थगित होने से उपजी स्थिति पर विस्तार से चर्चा की। संघ के मीडिया प्रभारी प्रणय बहुगुणा ने बताया कि संघ ने फिलहाल आंदोलन जारी रखने का निर्णय किया है। कल बुधवार को दोपहर प्रांतीय, मंडलीय और जिला कार्यकारिणियों के साथ संयुक्त बैठक की जाएगी। इस बैठक में आगे की रणनीति तय की जाएगी। कल की बैठक में होने वाले फैसले के आधार पर ही संघ आगे बढ़ेगा। आज 11 शिक्षक डॉ. हेमंत पैन्यूली, रविशंकर गुसाईं,अर्जुन पवार, नरेश भट्ट ,डॉ. विवेक पांडेय, नमिता पाठक, रेखा धनिक, ममराज सिंह चौहान, आलोक रौथान,गिरीश जोशी, कुलदीप कंडारी क्रमिक अनशन पर बैठे।

आज धरने में राजकुमार चौधरी, जगदीश बिष्ट, लक्ष्मण, सजवान,नवेंदु मठपाल,गढ़वाल मंडल अध्यक्ष श्याम सिंह सरियाल, कुमाऊं मंडल अध्यक्ष डा गोकुल मर्तोलिया,अर्जुन पवार, डा विवेक पाण्डेय, नमिता पाठक, नरेश भट्ट, हिमांशु पांडे, दीप्ति पांडे,गिरीश कांडपाल, रश्मि पाण्डेय, संगीता जोशी, हेमलता जोशी, विजेता बिष्ट,भागीरथी महरा, संजीव कुमार,अनिल कड़ाकोटि,अनुराग यादव.नरेंद्र परवाल, खीम सिंह रजवार, संजय कुमयाल. बलबीर रावत. धरमानंद. विजेता बिष्ट. भागरथी मेहरा आदि शामिल रहे।

मोहित चौहान की आवाज में सेक्टर 36 का साउंडट्रैक ''डमरू'' रिलीज़

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 11 सितंबर , डमरू में भक्ति और शक्ति के संगम का अनुभव लेने के लिए तैयार हो जाईये। विक्रांत मैसी और दीपक डोबरियाल की क्राईम थ्रिलर, सेक्टर 36 का यह लेटेस्ट ट्रैक रिलीज़ हो गया है। अपनी जबरदस्त ऊर्जा और शक्तिशाली धुन के साथ यह ट्रैक श्रोताओं के हृदय को झकझोर देगा और उनमें भक्ति के साथ ऊर्जा का संचार हो जाएगा। जियो स्टूडियोज़ और मैडॉक फिल्म्स द्वारा निर्मित सेक्टर 36 नेटफ्लिक्स पर 13 सितंबर से स्ट्रीम होगी।

हर लय में भावनाओं को पिरोने की अपनी क्षमता के लिए मशहूर, मोहित चौहान ने ''डमरू'' में अतुलनीय तीव्रता का संचार किया है। इसके बोल अनुपम अमोद ने लिखे हैं। गीतकार-कंपोज़र, धुनकी ने इसकी गति बनाए रखते हुए भक्ति की शैली में आधुनिक तत्वों को पिरोया है। यह गीत नव ऊर्जा के साथ गूंजता है, और रग-रग में संगीत की तीव्रता का संचार कर देता है। डमरू ने फिल्म के सबसे जबरदस्त क्षणों में जान फूंक दी है, और इसकी रोमांचक कहानी को और ज्यादा गहरा बना दिया है।

इसके मुख्य किरदार विक्रांत मैसी ने कहा, ''डमरू में सेक्टर 36 का पूरा सार उतर आया है। यह फिल्म के हाई-ऑक्टेन और प्रचंड वातावरण को प्रतिबिंबित करता है। मैं जब भी यह ट्रैक सुनता हूँ, मुझमें ऊर्जा का संचार हो जाता है, और मेरा मानना है कि दर्शकों को भी यह सुनकर उतना ही रोमांच महसूस होगा।''इस ट्रैक को अपनी आवाज देने वाले, मोहित चौहान ने कहा, ''डमरू की शक्तिशाली धुन और भगवान शिव की स्तुति ने मुझे भक्ति और ऊर्जा से भर दिया। मैं ऊर्जा का भंडार महसूस कर रहा था। इसका संगीत बहुत उत्साहवर्धक है और इसके बोल काफी प्रेरणादायक हैं। मैं जब भी यह गीत गाता हूँ, तब यह उत्साह और प्रेरणा मैं महसूस करता हूँ। मुझे उम्मीद है कि श्रोताओं को भी इस ट्रैक में उसी प्रेरणा और उत्साह का अनुभव होगा।''

इस फिल्म के कलाकार दीपक डोबरियाल ने कहा, ''यह गीत स्क्रीन पर भक्ति की भावना पेश करता है। दैवीय ऊर्जा के गीत में इस तरह की आधुनिकता बहुत कम देखने को मिलती है। डमरू जहाँ रोमांच से भर देता है, वहीं यह हमारी फिल्म की बिल्कुल सही पृष्ठभूमि भी है।''गीतकार एवं कंपोज़र, धुनकी ने कहा, ''डमरू में हम सभी के अंदर की ज्वाला को जगाने का आह्वान किया गया है। इसकी धुन और लय के साथ मैं भगवान शिव की अपार ऊर्जा को पेश करना और उसे ऐसे ट्रैक में उतारना चाहता था, जो कालातीत होने के साथ आधुनिक भी हो। यह आपके अंदर की असीम शक्ति को जगाने के बारे में है।''

लिंक फायरः http://smi.lnk.to/Dumroo

यूट्यूबः https://youtu.be/s_L6dpZAS5U?si=FWWD39DI3pI-PVmn

BTech इन कंप्यूटर साइंस रह गया पीछे, इंजीनियरिंग की इन ब्रांच में मिल रहा रिकॉर्डतोड़ पैकेज

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 11 सितम्बर : आज के समय में कुछ इंजीनियरिंग ब्रांच BTech in Computer Science से भी अधिक आकर्षक प्लेसमेंट पैकेज ऑफर कर रही हैं, खासकर उन छात्रों के लिए जो टेक्नोलॉजी, डेटा, और एडवांस्ड इंजीनियरिंग की फील्ड में एक्सपर्टाइज प्राप्त करना चाहते हैं. इन फील्ड में एडमिशन लेने के लिए डीप नॉलेज, स्किल, और लगातार सीखने की जरूरत होती है, लेकिन एक बार इसमें सफलता मिलने पर करियर में शानदार अवसर मिलते हैं.

क्यों है आकर्षकः आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड मशीन लर्निंग आज के समय में टेक्नोलॉजी इंडस्ट्री की सबसे तेजी से बढ़ती हुई फील्ड में से हैं. इन फील्ड में एक्सपर्टाइज्ड रखने वाले इंजीनियर्स की डिमांड बहुत अधिक है, और कंपनियां AI और ML टैलेंट को आकर्षित करने के लिए हाई सैलरी पैकेज ऑफर कर रही हैं.

एवरेज प्लेसमेंटः AI और ML में एक्सपर्टाइज्ड रखने वाले इंजीनियर्स को एवरेज 15 से 25 लाख रुपये प्रति वर्ष का पैकेज मिल रहा है. प्रमुख टेक्नोलॉजी कंपनियों और स्टार्टअप्स में सैलरी 40 से 50 लाख रुपये प्रति वर्ष तक पहुंच सकती है. क्यों है आकर्षकः Data Science एक और तेजी से उभरता हुआ क्षेत्र है, जहां डेटा को समझने और उससे इनसाइट्स निकालने की क्षमता कंपनियों के लिए बेहद महत्वपूर्ण बन गई है. डेटा साइंटिस्ट की डिमांड सभी प्रमुख इंडस्ट्रीज में है, और इसलिए सैलरी भी काफी हाई ज्यादा मितली है. क्यों है आकर्षकः रोबोटिक्स इंडस्ट्री तेजी से बढ़ रही है, खासकर मैन्युफैक्चरिंग, ऑटोमेशन, और एयरोस्पेस जैसी फील्ड में. इस क्षेत्र में एडवांस्ड टेक्नोलॉजी का उपयोग किया जा रहा है, और एक्सपर्ट इंजीनियर्स की मांग बढ़ रही है.

क्यों है आकर्षकः साइबर सिक्योरिटी की फील्ड में तेजी से बढ़ते साइबर हमलों के चलते एक्सपर्ट्स की मांग बढ़ गई है. साइबर सिक्योरिटी में एक्सपर्टाइज रखने वाले इंजीनियर्स की सैलरी भी काफी आकर्षक होती है.औसत प्लेसमेंटः साइबरसिक्योरिटी में इंजीनियर्स को 15 से 20 लाख रुपये प्रति वर्ष का पैकेज मिल रहा है, और कुछ कंपनियों में यह 40 लाख रुपये से भी ऊपर जा रहा है. क्यों है आकर्षकः पेट्रोलियम इंजीनियरिंग, तेल और गैस इंडस्ट्री से जुड़ी हुई है, और इसमें हाई सैलरी पैकेज के साथ-साथ विदेशों में काम करने के अवसर भी होते हैं. औसत प्लेसमेंटः इस फील्ड में शुरुआती सैलरी 15 से 30 लाख प्रति वर्ष तक हो सकती है, और एक्सपीरियंस के साथ यह 50 लाख रुपये प्रति वर्ष से अधिक भी पहुंच सकती है.

हिलते दांतों को जाम कर सकती है ये चमत्कारी औषधि

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 11 सितम्बर : करंज का उपयोग दांतों की सफाई और दंत चिकित्सा में किया जाता है. इसके नियमित उपयोग से दांतों की समस्याएं जैसे कैविटी, मसूड़ों की सूजन और दांतों का दर्द दूर किया जा सकता है. ये दांतों को मजबूत और स्वस्थ बनाता है. आयुर्वेदाचार्य बालेश्वर शर्मा ने लोकल 18 को बताया कि, किकरंज के बीज, पत्तियां और चूर्ण गठिया, खुजली और त्वचा से जुड़ी समस्याओं के इलाज में बेहद प्रभावी होते हैं. आयुर्वेद में इसका नियमित उपयोग इन बीमारियों को नियंत्रित करने में सहायक माना गया है।

करंज अपनी प्राकृतिक औषधीय गुणों के कारण रोगियों के इलाज में अत्यधिक प्रभावी साबित हुआ है. इसे विभिन्न बीमारियों के उपचार में इस्तेमाल किया जाता है, जिससे मरीजों को जल्दी राहत मिलती है. करंज के पंचांग (पौधे के विभिन्न अंग) को जलाकर बनाई गई भस्म में थोड़ा नमक मिलाकर इसे दांतों पर लगाने से दांत दर्द में तेजी से आराम मिलता है. ये घरेलू उपचार दांतों की समस्याओं के लिए बेहद कारगर है. आयुर्वेद में करंज की एक अलग पहचान है. इसके विभिन्न हिस्सों का उपयोग गठिया, खुजली, दांत दर्द और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं के इलाज में किया जाता है, जो इसे आयुर्वेद के क्षेत्र में एक बहुउपयोगी पौधा बनाता है।

संक्षिप्त खबरें

पेयजल ठेका कर्मचारियों का 12 को सचिवालय कूच

देहरादून। उत्तराखंड जल संस्थान संविदा श्रमिक संघ उत्तराखंड ने 12 सितंबर को सचिवालय कूच का ऐलान किया है। संघ ने जल संस्थान मैनेजमेंट और विभागीय ठेकेदारों पर मिलीभगत कर श्रमिकों के शोषण का आरोप लगाया। संघ का समान काम का समान वेतन और नियमितीकरण की मांग को लेकर जल भवन नेहरू कालोनी में क्रमिक अनशन जारी है। ठेका कर्मचारियों के आंदोलन को कांग्रेस समेत अन्य कर्मचारी संगठनों का समर्थन मिल रहा है। आंदोलन की इसी कड़ी में 12 सितंबर को सचिवालय कूच का ऐलान किया गया है। महामंत्री मंगलेश लखेड़ा ने कहा कि जल संस्थान में ठेकेदारी प्रथा को पूरी तरह समाप्त किया जाए। ठेका, आउटसोर्स पर जितने भी कर्मचारी हैं, उन्हें समान काम का समान वेतन देते हुए नियमित किया जाए। अध्यक्ष संजय कुमार ने कहा कि ठेका कर्मचारी एक महीने से आंदोलन पर है, लेकिन सरकार की ओर से कोई सुध नहीं ली जा रही है। इससे कर्मचारियों के सब्र का बांध टूट रहा है। कहा कि इन्हीं ठेका कर्मचारियों पर पूरे राज्य का पेयजल सप्लाई सिस्टम निर्भर है। बेहद कम पैसे में कर्मचारी रात दिन काम कर लोगों को पानी पिलाने का काम कर रहे हैं, लेकिन उनके साथ हो रहे शोषण को रोकने पर कोई ध्यान नहीं दे रहा है। इसके खिलाफ ठेका कर्मचारी 12 सितंबर को सचिवालय कूच कर विरोध जताएंगे। विरोध जताने वालों में आशीष द्विवेदी, सुरजीत डोबरियाल, प्रवीण डोभाल, चंद्रमोहन खत्री, बलवीर पयाल, गोविंद आर्य, गिरिश चंद्र मौजूद रहे।

उत्तराखंड राज्य आह्वान गीत को दर्जा देने की मांग

पिथौरागढ़। सीमांत के कवि व गीतकार महेश जोशी ने सरकार से राज्य आंदोलन के दौरान उनके लिखे गीत को दर्जा देने की मांग उठाई है। मंगलवार को उन्होंने कहा कि राज्य आंदोलन के दौरान उन्होंने आ हो दाज्यू साथ में... शीर्षक से गीत लिखा। उक्त गीत का इस्तेमाल आंदोलन में व्यापक रूप से हुआ। नुक्कड़ सभाओं में लोग गीत का गायन कर अलग राज्य की मांग उठाते थे। जोशी का कहना है कि यह गीत अपने आप में उत्तराखंड आंदोलन का एक बोलता हुआ दस्तावेज है, जिसे दर्जा देने की जरूरत है।

यूपी में फेमस हैं सहारनपुर के ये पांच प्रसिद्ध पर्यटन स्थल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

सहारनपुर 11 सितम्बर : सहारनपुर मुख्यालय से 38 किलोमीटर दूर शिवालिक पहाड़ियों में स्थित माता शाकंभरी देवी मंदिर है, जहां पर कई जनपदों के लोग मां शाकंभरी के दर्शन करने पहुंचते हैं. मान्यता है कि बाबा भूरादेव के दर्शन करने के बाद ही मां शाकंभरी देवी अपने श्रद्धालु की प्रार्थना को कबूल करती है. पौराणिक कथाओं की मान्यता के अनुसार जब दुर्गमासुर नाम के राक्षस से लोग भयभीत थे, तब देवताओं ने माँ शाकंभरी देवी का आह्वान किया था. इस पर माँ शाकंभरी देवी ने उक्त दानव का वध किया था।

मान्यता है कि इस युद्ध के कारण धरती से हरियाली समाप्त हो गयी थी. देवताओं की प्रार्थना पर माँ शाकंभरी देवी ने अपनी शक्ति से शाक, सब्जी उत्पन्न कर वरदान दिया था. हर वर्ष नवरात्रों में यहां विशाल मेले का भी आयोजन किया जाता है. जिसमें कई लाख की संख्या में श्रद्धालु माता के दर्शन करने के लिए पहुंचते हैं और दर्शन करने के लिए 24 घंटे से अधिक का समय भी लग जाता है.

सहारनपुर का कंपनी गार्डन पार्क सबसे अलग है. इस पार्क में घूमने के लिए एंट्री चार्ज देना होता है. पार्क में विभिन्न प्रकार के पेड़-पौधे देखने को मिल जाते हैं. यहां फूलों के भी विभिन्न प्रजातियां देखने को मिल जाती है. कंपनी गार्डन में परिवार के साथ पिकनिक मनाने के लिए इस स्थान को बेहद खास माना जाता है. वहीं भारत में सबसे पहले चाय का पेड़ भी इसी कंपनी बाग में आया था. लोग सुबह और शाम के समय इस पार्क में घूमना काफी पसंद करते हैं.

सहारनपुर के देवबंद स्थित मुजफ्फरनगर रोड पर त्रिपुर माँ बाला सुंदरी देवी का मंदिर भी जनपद ही नहीं दूर-दूर तक प्रसिद्ध है. इस धार्मिक स्थल पर दर्शन करने श्रद्धालु दूर-दूर से आते हैं. हर साल इस मंदिर में चैत्र मास की चतुर्दशी पर एक भव्य मेले का आयोजन होता है. यह मेला 15 दिन तक चलता है जिसमें श्रद्धालुओं की काफी भीड़ रहती है. बड़े-बड़े नेता भी अपनी जीत के लिए माँ त्रिपुर बाला सुंदरी का आशीर्वाद लेने के लिए मंदिर में पहुंचते हैं.सहारनपुर का फुलवारी आश्रम अब पर्यटन स्थल बन चुका है. बाबा लाल दास रोड स्थित फुलवारी आश्रम स्वतंत्रता संग्राम का गवाह रहा है. यहां पर देश की आजादी की लड़ाई के दौरान शहीद-ए-आजम फुलवारी आश्रम में बने ठाकुर जी के मंदिर की गुम्मद में एक रात छिपे रहे थे. पर्यटन विभाग द्वारा 6 करोड़ की लागत से फुलवारी आश्रम को अच्छे से विकसित किया जा रहा है. वही आश्रम के पास पौधों की नदी और हाजी कमाल शाह व बाबा लाल दास की दोस्ती के किस्से भी सुनने को मिलते हैं.

प्रयागराज ही नहीं सहारनपुर में भी गंगा-यमुना का संगम है. यहां पर लोग दूरदराज से पूजा पाठ और घूमने के लिए आते हैं. सहारनपुर के गांव कुआं खेड़ा स्थित गंगा और यमुना का मिलन हो रहा है, जिसको पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया गया है. यह संगम सहारनपुर शहर से लगभग 55 किलोमीटर दूर शामली जनपद की सीमा पर पड़ता है. हरियाणा, पंजाब, हिमाचल, दिल्ली आदि जनपदों से लोग यहां पर पितरों की पूजा, गंगा स्नान करने पहुंचते हैं हर साल यहां पर विशाल मेले का भी आयोजन किया जाता है.

टैक्सी लेकर क्षतिग्रस्त करने के आरोप में केस दर्ज कराया

देहरादून। महिला ने परिचित पर टैक्सी कार लेने और उससे दुर्घटना कर क्षतिग्रस्त करने के आरोप में केस दर्ज कराया है। रेखा रानी निवासी केहरी गांव की तहरीर पर पटेलनगर थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। महिला ने कहा कि उन्होंने अपनी टैक्सी को संचालन करने के लिए मेजाहिद ईकबाल को दिया था। वह एक प्रॉपर्टी डीलिंग कंपनी में डायरेक्टर हैं। दोनों पक्षों के बीच 19 जनवरी 2024 को एक अनुबंध हुआ था। वाहन की संपूर्ण जिम्मेदारी मेजाहिद ईकबाल की थी। प्रार्थिनी ने बताया कि उनका वाहन, जिसे ड्राइवर आर्यन नेगी चलाता था। मेजाहिद ईकबाल के कार्यालय में पार्क किया जाता था।

बीते दो जुलाई को जब ड्राइवर आर्यन वाहन लेने गया, तो पता चला कि मेजाहिद और उनके मैनेजर धीरज कुमार ने एक जुलाई की रात को वाहन अपने कर्मचारी प्रदीप चंद्रा को बिना जानकारी के मसूरी जाने को दे दिया था। जिसमें मुस्कान भट्ट, गौरव कुमार और अनामिका नेगी भी उस यात्रा में शामिल थे। आरोप है कि प्रदीप चंद्रा के पास वैध ड्राइविंग लाइसेंस नहीं था। फिर भी उसने वाहन चलाया। वाहन कुठाल गेट के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस दुर्घटना से वाहन को भारी क्षति पहुंची उसमें सवार एक की जान भी गई। कार में लगभग 10 लाख रुपये का नुकसान हुआ। प्रदीप के पास वैध लाइसेंस न होने के कारण इंश्योरेंस कंपनी ने भी वाहन की मरम्मत का दावा खारिज कर दिय। आरोपी नुकसान की भरपाई नहीं दे रहा है।

छुटमलपुर : सबसे अच्छे वह लोग हैं जो क़ुरआन सीखते और दिखाते हैं : फजलुर रहमान नानकवी

अरशद मलिक
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

छुटमलपुर 11 सितम्बर : जामिया शेख अब्दुल सत्तार नानका गन्देवडा में मजलिस शूरा की बैठक हुई, जिसकी अध्यक्षता माननीय अल्हाज फजलुर रहमान रहीमी नानकवी ने की, कार्यक्रम की शुरुआत जामिया के प्रिय छात्र हारिस ने की जुवेद ने नात पढ़ी जामिया के छात्र उमर राशिद ने शिक्षा के महत्व पर भाषण देते हुए कहा कि तालीम तरक्की का रास्ता है। मोहम्मद अयान और अब्दुल रहमान ने कुरान और सीरत पर एक सुंदर संवाद प्रस्तुत किया, इसी प्रकार प्राथमिक कक्षा के दो छात्रों मुहम्मद मुबारक और मोहम्मद शाबान ने सामान्य ज्ञान से युक्त एक बहुत अच्छा संवाद प्रस्तुत किया।

मुफ्ती अताउर रहमान जमील कासमी नानकवी ने अपने भाषण में कहा कि आप में से सबसे अच्छे लोग वे हैं जो कुरान सीखते और सिखाते हैं और अल्लाह उनको भी अजर देता है जो लोग कुरान सीखने और सिखाने में किसी तरह से मदद करते हैं। अल्लाह ताला कयामत के दिन ऐसे लोगों की कतार बुलंद करेगा जिन्होंने किसी भी तरह से इस्लामी मदरसों का समर्थन किया है। बैठक में मुफ्ती अत्ता-उल-रहमान कासमी ने जामिया शेख अब्दुल सत्तार और जामिया रहमनानीया लिलबनात का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया और शूरा के सभी सदस्यों ने इस पर संतोष व्यक्त किया.

अगले महीने जामिया शेख अब्दुल सत्तार में होने वाले इजलास पर भी बात चीत हुई। आख़िर में जामिया के मोहतमिम अल्हाज फजलुर्रहमान रहीमी ने बताया कि हमारी शूरा के सदर हाफ़िज़ जमील अहमद की तबियत खराब होने के कारण हज़रत तशरीफ़ नही ला सके उन्होंने दुआ दी है। हम भी दुआ करते हैं अल्लाह उनका साया हमारे सरों पर देर तक कायम रखे।

इस अवसर पर मजलिस मैं अजवद अली अंसारी हाजी गुल रहमान कुरेशी हाजी इसरार अंसारी हाजी नसीम हाजी इमरान जरगर डॉ खालिद मौलाना खालिद मौलाना नवीद हाजी अब्दुल कय्यूम उस्मान अंसारी नवाब सभासद डॉ. मोहम्मद इकराम याकूब क़ुरैशी सलीम जावेद अंसारी हाजी मोहम्मद इकराम फिरोज आलम नेता कारी आबिद काशिफी शाहनवाज प्रधान लियाकत प्रधान कारी मुकीम कासमी ठेकेदार अब्दुल समी बाबू जमशेद अंसारी अमजद अंसारी गागलहेड़ी भाई नौशाद प्रधान अयूब जुल्फिकार हाफिज अब्दुल मनान सुनार अशफाक लोहार मुहम्मद अतहर नाजिम नवाब अंसारी हुसैन अंसारी अब्दुल अलीम अंसारी वकील मोहम्मद मुदस्सिर ठेकेदार छोटा फजलुर रहमान अंसारी साजिद प्रधान सलीम कुरैशी इमरान कुरेशी अरशद अंसारी कारी मुस्तफ़िज़ काशिफ़ी, मौलाना सरवर आलम कासमी कारी मतीउर रहमान कासमी मुफ्ती मुहम्मद उस्मान कासमी कारी आजम रहमानी कारी जुबैर आलम कारी अब्दुल माजिद कारी चांद कारी बुरहान कारी मोमिन कारी मनवर हसन कारी रशीद कारी मुहम्मद दानिश कारी मुहम्मद शाकिर मौलाना ताहिर कासमी मास्टर कारी हुसैन कारी मोहम्मद जीशान मास्टर इश्रफात आदि मौजूद रहे।

जयंती पर गोविंद बल्लभ पंत को किया याद

पौड़ी। च्वींचा गांव में मंगलवार को भारत रत्न पंडित गोविंद बल्लभ पंत की जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस दौरान ग्रामीणों ने संकल्प लिया कि च्वींचा गांव को पंडित गोविंद बल्लभ पंत की जन्मस्थली घोषित होने तक संघर्ष जारी रहेगा। निर्णय लिया गया कि हर साल उनकी जयंती गांव में धूमधाम से मनाई जाएगी। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता वरिष्ठ गढ़वाली साहित्यकार वीरेंद्र पंवार, विशिष्ठ अतिथि राज्य आंदोलनकारी बीरा भंडारी, व्यापार सभा अध्यक्ष विनय शर्मा, कोषाध्यक्ष दिलबर भंडारी, प्रवीण असवाल, यशोदा रावत आदि शामिल रहे। संचालन मनोज रावत अंजुल ने किया। वहीं, जिला प्रशासन द्वारा जिला कार्यालय में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विधायक राजकुमार पोरी ने पंडित गोविंद बल्लभ पंत के जीवन से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ने को कहा। इस मौके पर डीएम डा.आशीष चौहान, जिला शिक्षाधिकारी माध्यमिक रणजीत सिंह नेगी, क्षेत्रीय पुरातत्व अधिकारी आशीष कुमार आदि शामिल रहे।

गुलदार पिंजरे में कैद

पौड़ी। गढ़वाल वन प्रभाग पौड़ी से सटे कोट ब्लॉक के कठूड़ गांव स्थित एक खंडहर में बीते सोमवार को घुसे गुलदार को वन विभाग की टीम ने देर रात रेस्क्यू कर पिंजरे में कैद कर लिया। बीते सोमवार को कोट ब्लॉक के कठूड़ गांव के बीचोंबीच खंडहर में गुलदार घुस गया था।

संपादकीय

राहुल का 'भारत विरोध'

यह कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की पुरानी आदत है। यह उनकी राजनीति का हिस्सा भी है अथवा कुछ विदेशी ताकतें ऐसा करने को उन्हें उकसाती रही हैं। करीब 7-8 साल से राहुल गांधी विदेशी सरजमीं से भारत के खिलाफ विषवमन करते रहे हैं। यदि वह आरएसएस, भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ ही टिप्पणियां करें, तो उन्हें राजनीति मान कर नजरअंदाज किया जा सकता है, लेकिन वह भारत-विरोध की तथ्यहीन, अज्ञानी, अपरिपक्व टिप्पणियां करेंगे, तो बेशक उसे 'देश-विरोध' ही समझा जाए और सरकार गंभीरता से ग्रहण कर निर्णय ले और उचित कार्रवाई करे। अब राहुल गांधी महज एक सांसद ही नहीं, बल्कि लोकसभा में 'नेता प्रतिपक्ष' हैं। वह संवैधानिक पद पर हैं और ऐसे राजनेता को 'छाया प्रधानमंत्री' आंका जाता है। यदि एक संवैधानिक व्यक्ति ही देश को अपमानित करेगा, चीन की तुलना में 'बौना' करार देगा और गलत तुलनात्मक विश्लेषण करेगा, तो यह देश, समाज और सरकार को उसे 'अक्षम्य' मानना चाहिए। ऐसा व्यक्ति देश, संविधान और कानून से ऊपर नहीं है। आजकल राहुल गांधी अमरीका में हैं। वह साक्षात्कार दे रहे हैं और विश्वविद्यालय के छात्रों को संबोधित कर रहे हैं। क्या गलत तथ्य पेश कर रहे हैं और नई पीढ़ी को भ्रमित कर रहे हैं? दरअसल भारत के बारे में उनकी सोच ही गलत और पूर्वाग्रही है। वह भारत के मूल विचार को ही नहीं जानते। उनके अनुसार, भारत विचारों की विविधता वाला देश है। अमरीका की तरह राज्यों का संघ है। शायद उन्होंने संविधान के अनुच्छेद एक में जो परिभाषा दी गई है, उसे नहीं पढ़ा। पढेंगे नहीं, तो समझेंगे कैसे? उसमें भारत को एक स्वतंत्र और संप्रभु राष्ट्र परिभाषित किया गया है। संघीय चरित्र और ढांचा होने के कारण उस राष्ट्र में कई राज्य भी हैं, लेकिन वे निरंकुश नहीं हैं। भारत सरकार ही संवैधानिक तौर पर उन्हें संचालित करती है। अलबत्ता राज्यों को भी कुछ अधिकार दिए गए हैं। बहरहाल राहुल गांधी ने दूसरा मुद्दा रोजगार का उठाया और दावा किया कि चीन, वियतनाम आदि कुछ देशों में 'बेरोजगारी की समस्या' ही नहीं है, जबकि अमरीका समेत पश्चिमी देशों और भारत में बेरोजगारी एक विकट समस्या है। यहां विश्व बैंक के आंकड़े गौरतलब लगते हैं, क्योंकि 2023 में चीन की बेरोजगारी दर 4.7 फीसदी थी, जबकि भारत में यही दर 4.2 फीसदी थी। यानी चीन में बेरोजगारी, भारत की तुलना में, अधिक रही है। वहां का एक ही उदाहरण पर्याप्त है कि 2 लाख नौकरियों के लिए करीब 77 लाख चीनियों ने आवेदन किया था। हम मानते हैं कि उत्पादन के क्षेत्र में चीन वैश्विक स्तर पर प्रभुत्व की स्थिति में है, लेकिन भारत भी आज 'एप्पल' और 'आईफोन 16' सरीखे अंतरराष्ट्रीय उत्पादों को बना रहा है। अब दुनिया भर में यही भारत-निर्मित उत्पाद सप्लाई किए जाएंगे और उन पर 'मेक इन इंडिया' अंकित होगा। सवाल है कि विदेशी मंचों पर राहुल गांधी, भारत के बारे में, गलत तथ्य पेश क्यों करते रहे हैं? यही नहीं, उन्होंने यहां तक कहा कि भारतीय राजनीतिक प्रणालियों और पार्टियों में प्रेम, सम्मान और विनम्रता का अभाव है। यदि ऐसा है, तो राहुल की पार्टी कांग्रेस भी इसी जमात में शामिल है, क्योंकि वह तो देश की सबसे पुरानी पार्टी है। गजब बयान तो यह रहा, जब राहुल गांधी ने देवता और भगवान की परिभाषा ही बदल दी। परोक्ष रूप से उन्होंने सनातन धर्म की गरिमा को खंडित किया है। राहुल का आरएसएस के प्रति विद्वेष सनातन रहा है। दरअसल वह संघ को न तो जानते हैं और न ही उसकी गहनता तक कभी देख पाएंगे। राहुल समेत कांग्रेस में एक तबके का मानना है कि संघ और भाजपा पारंपरिक तौर पर महिला-विरोधी हैं। राहुल 'दुर्गावाहिनी' की भूमिका नहीं जानते, जो संगठन संघ के साथ काम करता रहा है।

दैनिक न्यूज़ वायरस
संपादक : मौ.सलीम सैफी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से प्रकाशित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002
RNI No. : UTTHIN/2012/44094 **Cert. Ser. No. :** 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com
Website : www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

भारतीयों का दिल जीत गई दुनिया की पहली CNG बाइक, दो महीने में गजब की सेल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 11 सितम्बर : दुनिया की पहली सीएनजी बाइक यानी बजाज फ्रीडम 125 (Bajaj Freedom 125) ने अपनी सफलता का झंडा गाड़ दिया है. कंपनी ने जानकारी दी है कि इस बाइक की दो महीने में 5,000 यूनिट्स बिक चुकी हैं. बजाज फ्रीडम ने बहुत कम समय में यह इतनी बड़ी सफलता हासिल की है. यह कंपनी के लिए एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है. इससे कहा जा सकता है कि लोग पेट्रोल बाइक्स के होते हुए भी सीएनजी बाइक्स (CNG Bikes) को पसंद कर रहे हैं. बजाज Freedom 125 बाइक किफायती दाम में आती है और चलाने में कम खर्चीली है.

Bajaj Freedom 125 में दमदार 125cc का इंजन मिलता है, जो बेहतरीन पावर के साथ ही जबरदस्त माइलेज भी देता है. इसका डिजाइन बेहद आकर्षक है और इसे युवा वर्ग के साथ-साथ फैमिली और गिग सेक्टर को भी ध्यान में रखते हुए बनाया गया है. इस बाइक में डिजिटल डिस्प्ले, LED लाइट्स और आरामदायक सीटिंग की सुविधाएं दी गई हैं, जो इसे लंबी दूरी के लिए भी एक बेहतरीन ऑप्शन बनाती हैं। बजाज Freedom 125 की सफलता का प्रमुख कारण इसका किफायती दाम, बेहतरीन माइलेज और शानदार फीचर्स हैं. इसके अलावा, बजाज की भरोसेमंद तकनीक और सर्विस नेटवर्क भी ग्राहकों को आकर्षित कर रहे हैं. बजाज Freedom 125 ने कम समय में ही अपनी एक अलग पहचान बना ली है. दो महीने में 5000 यूनिट की बिक्री इस बात का संकेत है कि यह बाइक ग्राहकों के बीच काफी तेजी से लोकप्रिय हो रही है। Freedom 125 दुनिया की पहली डुअल फ्यूल टेक्नोलॉजी (पेट्रोल-सीएनजी) पर चलने वाली बाइक है. कंपनी ने इसमें 2 लीटर के पेट्रोल टैंक के साथ 2 किलोग्राम का सीएनजी टैंक लगाया है. ये बाइक में फुल टैंक सीएनजी में 217 किलोमीटर की दूरी तय कर सकती है. यानी एक किलो सीएनजी पर बाइक 108 किलोमीटर की माइलेज देती है. अगर आप इस बाइक में फुल टैंक पेट्रोल डलवाएंगे तो केवल पेट्रोल पर इसे 106 किलोमीटर तक चलाया जा सकता है. दोनों फ्यूल पर बाइक की फुल टैंक रेंज 330 किलोमीटर की है। कंपनी ने इसमें 125cc का डुअल फ्यूल पर चलने वाला इंजन लगाया है जो 9.5PS का पॉवर और 9.7 Nm का टॉर्क जनरेट करता है. बाइक में 5 स्पीड गियरबॉक्स दिया गया है. बाइक का कर्ब वजन 148 किलोग्राम है. इससे आपको बाइक में बेहतर हैंडलिंग और हाई स्पीड स्टेबिलिटी भी मिलेगी। बजाज Freedom 125 की शुरुआती कीमत 95,000 (एक्स-शोरूम) तय की गई है. कंपनी ने इसे तीन वैरिएंट – डिस्क एलईडी, ड्रम एलईडी और ड्रम में पेश किया है. इस बाइक के ड्रम वैरिएंट की कीमत 95,000 रुपये, ड्रम एलईडी की कीमत 1,05,000 रुपये और डिस्क एलईडी की कीमत 1,10,000 रुपये है. सभी कीमतें एक्स-शोरूम के अनुसार हैं।

शिक्षकों की कमी से जूझता अल्मोड़ा होटल मैनेजमेंट संस्थान

अल्मोड़ा। जनपद मुख्यालय स्थित जगत सिंह बिष्ट राजकीय होटल मैनेजमेंट संस्थान में शिक्षकों के पद रिक्त होने के चलते छात्रों की पढ़ाई में व्यवधान हो रहा है। विदित हो कि संस्थान में शिक्षकों के आठ पद होने के बावजूद यहां सात पद रिक्त चल रहे हैं। सिर्फ एक शिक्षक के सहारे संस्थान चल रहा है। यहां संस्थान में 08 शिक्षकों के सापेक्ष केवल एक शिक्षक स्थाई है और 07 शिक्षक संविदा पर शिक्षण कार्य कर रहे थे जिन्हें विगत माह से सेवा विस्तार नहीं मिला है। जिसके चलते एक शिक्षक के ऊपर पूरे संस्थान का भार है। वर्ष 1991 में स्थापित राजकीय होटल मैनेजमेंट संस्थान में वर्तमान में 190 छात्र अध्ययनरत हैं। केवल एक शिक्षक के सहारे चल रहे संस्थान में छात्रों की पढ़ाई किस तरह होगी अपने आप में सोचनीय विषय है। छात्रों का कहना है कि संस्थान में शिक्षकों की नियुक्ति की जाए जिससे उन्हें पढ़ाई में दिक्कत नहीं हो। उत्तराखंड में दो ही सरकारी होटल मैनेजमेंट के संस्थान हैं, एक देहरादून और दूसरा अल्मोड़ा में है। अल्मोड़ा होटल मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट में शिक्षकों की कमी होने के चलते छात्रों में काफी आक्रोश है। छात्रों ने बताया कि विगत 08 अगस्त को सत्र शुरू हो चुका है, पर 30 अगस्त से शिक्षक नहीं हैं। इतना बड़ा संस्थान होने के बावजूद भी यहां पर सिर्फ एक ही फैकल्टी है और 190 बच्चे यहां पर पढ़ाई कर रहे हैं। होटल मैनेजमेंट में विभागाध्यक्ष धीरेंद्र सिंह मर्तोलिया ने इस बारे में कहा कि होटल मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट में फैकल्टी की कमी होने के चलते बच्चों की पढ़ाई में व्यवधान आ रहा है। 30 अगस्त को संविदा शिक्षकों की सेवा समाप्त होने के बाद से सेवा विस्तार नहीं हुआ है। इस सम्बन्ध में उन्होंने पूर्व में ही शासन को पत्र भेजे हैं। संस्थान के प्रभारी प्रधानाचार्य उप जिलाधिकारी जयवर्धन शर्मा ने बताया कि संस्थान में निदेशालय स्तर से नियुक्ति होती हैं व पूर्व में तैनात संविदा शिक्षकों की तैनाती अवधि समाप्त हो चुकी है, इस सम्बन्ध में पर्यटन निदेशालय को पत्र भेजा है वहां से निर्देश प्राप्त होने पर कार्यवाही की जाएगी।

उत्तराखंड : प्रदेशभर में बच्चों को खिलाई गई कृमि नाशक दवाई

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 11 September: उत्तराखंड में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के अवसर पर राज्य स्तरीय शुभारंभ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। स्वाति एस. भदौरिया, मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन द्वारा गांधी इंटरमीडिएट कॉलेज के छात्रों को कृमि मुक्ति की दवाई खिलाकर राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस की शुरुआत की गई।

उद्घाटन समारोह में स्वाति एस. भदौरिया, मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन ने अपने संबोधन में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला और बच्चों के स्वास्थ्य की स्थिति सुधारने के लिए सरकारी योजनाओं और कार्यक्रमों का जिक्र किया। उन्होंने कृमि संक्रमण के दुष्प्रभावों को समझाते हुए, सभी बच्चों को समय पर दवाइयां लेने और स्वच्छता के आदतों को अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, स्वास्थ्य विभाग बच्चों व किशोर किशोरियों के स्वास्थ्य को सुधारने के लिए लगातार प्रतिबद्ध है। स्वास्थ्य विभाग का लक्ष्य बीमारियां, संक्रमण और मृत्यु दर को कम करने के लिए गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराना है। बच्चों व किशोर किशोरियों के बेहतर स्वास्थ्य व पोषण हेतु स्वास्थ्य विभाग लगातार राष्ट्रीय कार्यक्रमों का संचालन भारत सरकार के सहयोग से करता आ रहा है।

उन्होंने कहा कि, 'राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस' एक अहम कदम है बच्चों की एक तंदुरूस्त पीढ़ी के निर्माण के लिए जो शरीर और मन दोनो को स्वस्थ करने में मदद करता है। बच्चों, किशोर व किशोरियों में अनीमिया के स्तर को कम करने के लिये समस्त बच्चों को कृमि मुक्त करना अति आवश्यक है इस 'राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस' कार्यक्रम का यही लक्ष्य है।कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अधिकारियों द्वारा अवगत कराया गया कि 'राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस कार्यक्रम विगत आठ वर्षों से सभी जनपदों में संचालित किया जा रहा है और इस बार राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस कार्यक्रम का सोलहवां चरण का आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम का मुख्य लक्ष्य 1 से 19 वर्ष के सभी बच्चों के पेट में होने वाले कृमि संक्रमण को उपचारित कर उनका स्वास्थ्य व पोषण को बेहतर करना है।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के इस चरण में 37.29 लाख बच्चों और किशोर-किशोरियों को लगभग 23 हजार निजी व सरकारी स्कूलों और 20 हजार आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से कृमि नियंत्रण की दवा खिलाने का लक्ष्य रख

गया है। चूंकि 1 से 19 वर्ष के लगभग सभी बच्चे, किशोर व किशोरियां सरकारी व निजी स्कूलों, महाविद्यालयों, अन्य शिक्षण संस्थानों, कोचिंग व आंगनवाडी केन्द्रों में दर्ज होते हैं इस लिये इन सभी संस्थानों की एक बहुत महत्वपूर्ण भूमिका है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, स्वास्थ्य विभाग ने राज्य के सभी संस्थानों को राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस कार्यक्रम के तहत सभी बच्चों को कृमि मुक्त करने हेतु शामिल किया है ताकि अधिकतम लक्ष्य तक सहजता से पहुंचा जा सके।

इस कार्यक्रम की सफलता के लिए शिक्षा विभाग, महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग, पंचायती राज विभाग, स्वच्छ भारत मिशन, उत्तराखंड मदरसा बोर्ड, तकनीकी शिक्षा विभाग, उच्च शिक्षा विभाग, केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सी.बी.एस.ई.), नवोदय विद्यालय समिति, निजी विद्यालय संगठन, भारत स्काउट्स एंड गाइड्स, आउटरीच ब्यूरो, राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.), नगर निगम आदि विभागों से समन्वय स्थापित कर बच्चों को दवाई खिलाई गयी है।राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के शुभारंभ कार्यक्रम के दौरान प्रधानाचार्य एम.सी. गौतम, डॉ संजय जैन मुख्य चिकित्सा अधिकारी देहरादून, डॉ कुलदीप मार्तोलिया सहायक निदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, डॉ अर्चना ओझा सहायक निदेशक, आदि अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे

पंत का जीवन देश एवं जन सेवा को समर्पित था : डीएम

हरिद्वार। भारत रत्न पं.गोविन्द बल्लभ पन्त की जयन्ती पूरे जनपद में पूर्ण हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। जिला कार्यालय में जिलाधिकारी कर्मेन्द्र सिंह, अपर जिलाधिकारी दीपेन्द्र सिंह नेगी, उप जिलाधिकारी मनीष सिंह ने पं.गोविन्द बल्लभ पन्त की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया जबकि पन्त पार्क में जिलाधिकारी कर्मेन्द्र सिंह, अपर जिलाधिकारी दीपेन्द्र सिंह नेगी, सिटी मजिस्ट्रेट कुश्म चौहान, उप जिलाधिकारी मनीष सिंह सहित अन्य अधिकारियों ने पन्त जी की मूर्ति पर माल्यार्ण किया तथा एक पेड़ मां के नाम से पौधा रोपण किया।

अस अवसर पर जिलाधिकारी ने भारत रत्न पं.गोविन्द बल्लभ पन्त को नमन करते हुए कहा कि पण्डित गोविन्द बल्लभ पन्त महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, देश भक्त, समाज सेवी तथा कुशल प्रशासक थे। डीएम ने कहा कि पन्त जी का जीवन देश एवं जन सेवा को समर्पित था। उन्होंने समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए सामाजिक क्षेत्र में बढ़-चढ़कर भाग लिया और दृढ़ निश्चय एवं आत्म विश्वास के साथ देश की सेवा की। इसके साथ ही पन्त पार्क में सिटी मजिस्ट्रेट कुश्म चौहान सहित अन्य अधिकारियों के साथ एक पेड़ मां के नाम से पौधरोपण किया। इस दौरान अपर मुख्य नगर आयुक्त वरुण चौधरी आदि मौजूद रहे। इधर जयंती के मौके पर ऋषिकुल आयुर्वेदिक राजकीय महाविद्यालय में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का शुभारंभ डीएम कमेंद्र सिंह ने किया। कार्यक्रम में विभिन्न स्कूलों के छात्रं ने पंजाबी तथा पहाड़ी गीतों पर शानदार प्रस्तुति दी। इस दौरान अपर मुख्य नगर आयुक्त वरूण चौधरी, जिलाधिकारी दीपेन्द्र सिंह नेगी, सिटी मजिस्ट्रेट कुश्म चौहान, उप जिलाधिकारी मनीष सिंह, सचिव रेडक्रॉस सोसाइटी डॉ.नरेश चौधरी सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

इंटरनल हैकाथॉन 2024 प्रतियोगिता के लिए टीमों का चयन

हरिद्वार। गुरुकुल कांगड़ी समविश्वविद्यालय में इंटरनल हैकाथॉन 2024 प्रतियोगिता में कुल 11 छात्रों का चयन किया गया। कुलपति और कुलसचिव ने सभी टीमों को बधाई दी। प्रो. विपुल शर्मा ने बताया कि इस प्रतियोगिता के आयोजन का उद्देश्य अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) एवं शिक्षा मंत्रालय के इनोवेशन सेल (एमआईसी) द्वारा आयोजित स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन 2024 में छात्र-छात्राओं को प्रतिभाग करने के लिए प्रेरित करना और टीम का चयन करना था। टीम में आशीष मधुप, दिव्यांश, पटेल विवेक, सत्यजीत, रोहन, यश, शिवांश, अमोल, धीरज, आयुष जोशी चुने गए। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. आशीष धमान्दा ने सभी समिति के सदस्यों डॉ. आशीष नैनवाल, डॉ. मयंक पोखरियाल, कुलदीप गिरि, अभिषांत शर्मा का आभार जताया।

ऑटो रिक्शा चालक भिड़े, क्रॉस मुकदमा दर्ज

हरिद्वार। उत्तरी हरिद्वार क्षेत्र में अध्यात्मि संस्था शांतिकुंज के गेट नंबर चार-पांच के पास से संचालित हो रहे ऑटो रिक्शा स्टैंड पर ऑटो चालक के दो गुट आपस में भिड़ गए। देखते ही देखते सरेराह उनके बीच लाठी डंडे चलने से अफरा तफरी का माहौल बन गया। हरकत में आई स्थानीय पुलिस ने दोनों पक्षों की तरफ से क्रॉस मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस को दी गई शिकायत में ऑटो यूनियन के अध्यक्ष हरीश अरोड़ा निवासी शम्भू आश्रम भूपतवाला ने बताया कि सोमवार की शाम रोजाना की तरह ऑटो रिक्शा स्टैंड पर मौजूद था। आरोप है कि इसी दौरान संजय शर्मा, उसका बेटा, सूरजपाल, शरद यादव, सचिन ठाकुर, रोहित आ धमके, उन्होंने ऑटो, विक्रम चालकों को धमकाकर गाड़ियां हटवा दी।

महापुरुषों के जीवन से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ें

हरिद्वार। जनरल शाहनवाज हाईस्कूल ऐंथल में मंगलवार को भारत रत्न पंडित गोविंद बल्लभ पंत की 137 वी जयंती धूमधाम से मनाई गई। प्रधानाचार्य और शिक्षकों ने पंडित पंत की मूर्ति पर पुष्प अर्पित कर उन्हें याद किया गया। प्रधानाचार्य गजेंद्र सिंघल ने पंडित गोविंद बल्लभ पंत के जीवन पर प्रकाश डाला। कहा कि हमें महापुरुषों को आदर्श मानकर जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा लेनी चाहिए।

संक्षिप्त खबरें

चोरी के मामले में 02 गिरफ्तार, एक नाबालिग को लिया संरक्षण में

अल्मोड़ा। नगर में बावन सीढ़ी के पास हुई चोरी का पुलिस ने खुलासा कर लिया है। मामले में दो बालिग और एक नाबालिग शामिल थे। पुलिस ने दो को गिरफ्तार किया है, जबकि नाबालिग को फिलहाल संरक्षण में रखा गया है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक भूपाल कुमार निवासी उप्रेतीखोला ने उसके ड्रोन कैमरा, निकॉन, सोनी कैमरे, नगदी, मैमोरी कार्ड, हार्डडिस्क आदि चोरी हो जाने के संबंध में तहरीर दी थी। तहरीर पर कोतवाली में धारा 305(ए)/317 बीएनएस के तहत एफआईआर पंजीकृत की गई। कोतवाल जगदीश चंद्र देउपा के नेतृत्व में टीम ने आरोपी दीपक सिंह वाणी निवासी ढुंगाधारा और दीपांशु बिष्ट निवासी बल्टा भल्यूड़ा को गिरफ्तार कर लिया। जबकि तीसरे आरोपी के नाबालिग होने पर उसे संरक्षण में रखा गया है। पुलिस के मुताबिक आरोपियों से अब तक 50 हजार रुपये कीमत का निकॉन का कैमरा बरामद हुआ है। पूछताछ कर अन्य सामान बरामदगी के प्रयास किये जा रहे हैं। पुलिस टीम में धारानौला चौकी प्रभारी दिनेश सिंह परिहार, एएसआई नवीन सिंह बोहरा, खुशाल राम, सोनू कुमार शामिल थे।

धूमधाम से मनाई गई भारत रत्न पंडित गोविंद बल्लभ पंत की जयंती

अल्मोड़ा। भारत रत्न पंडित गोविंद बल्लभ पंत की 137 वी जन्म जयंती अल्मोड़ा नगर में धूम धाम से मनाई गई। इस दौरान नंदा देवी मंदिर प्रांगण से मुख्य बाजार होते हुए प्रभात फेरी निकाली गई, जिसमें जनपद के गणमान्य नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, स्कूली बच्चों सहित अन्य ने भी प्रतिभाग किया। प्रभात फेरी का आयोजन मॉल रोड स्थित पंत पार्क तक किया गया। पंत पार्क में आयोजित कार्यक्रम में जिलाधिकारी आलोक कुमार पांडे, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देवेंद्र पींचा समेत अन्य जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य लोगों ने पंत जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें याद किया। इस दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि यह उनका सौभाग्य है कि उन्हें ऐसे जनपद में तैनाती मिली जहां से जीबी पंत जी के जैसे महान नेताओं ने देश की राजनीति एवं स्वतंत्रता आंदोलन में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया तथा देश हित में कार्य किए। उन्होंने कहा कि अल्मोड़ा सांस्कृतिक गौरव के साथ साथ राजनैतिक चेतना के लिए भी प्रसिद्ध है। यहां जन्मे बहुत से प्रबुद्ध लोगों ने देश की राजनीति को एक नई दिशा दी। उन्होंने कहा कि आज हमें उन सभी महापुरुषों से सीखने को जरूरत है, उनके बताए मार्ग पर चलने की जरूरत है। इस दौरान एसएसपी देवेंद्र पींचा, निवर्तमान अध्यक्ष नगर पालिका प्रकाश चंद्र जोशी, पूर्व विधायक कैलाश शर्मा समेत अन्य गणमान्यों ने भी अपने अपने विचार रखे तथा स्व पंत जी को श्रद्धांजलि अर्पित की।